राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उतरांचल, उतराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 27 सितंबर 2025 वर्ष-8,अंक-218 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बंगाल के पूर्व मंत्री पार्थ चटर्जी की जमानत

कोलकाता कलकत्ता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व मंत्री और टीएमसी विधायक पार्थ चटर्जी को जमानत दे दी। जस्टिस शुभ्रा घोष की बेंच ने जेल की शर्तों के अनुसार चटर्जी को अपना पासपोर्ट जमा करने और निचली अदालत के अधिकार क्षेत्र से बाहर न जाने का निर्देश दिया। जस्टिस घोष ने यह भी कहा कि चटर्जी को मुकदमे के लंबित रहने तक किसी भी सार्वजनिक पद पर नियुक्त नहीं किया जाएगा। चटर्जी पर प्राइमरी स्कूल शिक्षकों, असिस्टेंट स्कूल शिक्षकों और शिक्षा विभाग में अन्य पदों पर अयोग्य उम्मीदवारों की अवैध नियुक्तियां करने वाले एक रैकेट में शामिल होने का आरोप है। ईडी ने शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामल में पार्थ चटर्जी को 25 अप्रैल 2023 में गिरफ्तार किया था। 22 जुलाई को पार्थ और उनकी करीबी अर्पिता के 18 ठिकानों से ईडी ने रेड में 20 करोड़ कैश बरामद किया था। गिरफ्तारी के बाद से ही पार्थ जेल में हैं।

आज पीएम मोदी के हाथों से होगा बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का शुभारंभ

नई दिल्ली प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सरकारी कंपनी बीएसएनएल के स्वदेशी 4जी नेटवर्क का उद्घाटन करने वाले है। इसके साथ ही भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल होगा, जो स्वयं का टेलीकॉम नेटवर्क बना सकते हैं। साथ ही, टेलीकॉम उपकरणों को भी मैन्युफैक्चर कर सकते हैं। केंद्रीय दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि भारत का टेलीकॉम नेटवर्क क्लाउड आधारित और फ्यूचर रेडी होगा। साथ ही आसानी से 5जी में अपग्रेड कर सकते है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बीएसएनएल का 4जी स्टैक 27 सितंबर को देश भर में करीब 98,000 साइट्स पर शुरू होगा। साथ ही, कई राज्यों में भी इसकी शुरुआत एक साथ होगी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री ओडिशा के झारसुगुड़ा में नेटवर्क का उद्घाटन करने वाले है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा, यह टेलीकॉम सेक्टर के लिए एक नया युग है, एक ऐसा युग जहां भारत टेलीकॉम उपकरण बनाने वाले शीर्ष देशों की श्रेणी में शामिल हो गया है, जिसमें डेनमार्क, स्वीडन, दक्षिण कोरिया, चीन शामिल हैं और भारत अब पांचवां देश है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने बताया कि प्रधानमंत्री डिजिटल भारत निधि के माध्यम से भारत के 100 प्रतिशत 4जी नेटवर्क का भी अनावरण होगा, जिसके तहत 29,000-30,000 गांवों को मिशन मोड परियोजना के तहत जोड़ा गया है। टेलीकॉम सचिव नीरज मित्तल ने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा टेलीकॉम बाजार है। 2028 तक 5जी यूजर्स की संख्या 77 करोड़ तक पहुंच जाएगी, जो कि फिलहाल 30 से 40 करोड़ है। उन्होंने इस 4जी स्टैक विकसित करने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों को दिया।

ट्रंप के फार्मा उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ का भारत के निर्यात पर नहीं होगा असर

नई दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फार्मा उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात पर कुछ खास असर नहीं होगा। यह जानकारी जानकारी की ओर से दी गई। फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्मेक्सिल) के चेयरमैन नमित जोशी ने कहा, ब्रांडेड और पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल्स आयात पर प्रस्तावित 100 प्रतिशत टैरिफ का भारतीय निर्यात पर तत्काल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि हमारे निर्यात का अधिकांश हिस्सा जेनेरिक दवाओं से आता है, जबकि अधिकांश बड़ी भारतीय कंपनियां पहले से ही अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग या रीपैकेजिंग इकाइयां संचालित कर रही हैं। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, कार्यकारी आदेश अमेरिका को आपूर्ति होने वाले पेटेंट/ब्रांडेड उत्पादों पर लागू होता है। यह जेनेरिक दवाओं पर लागू नहीं होता। वर्तमान में, भारत अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली 45 प्रतिशत से अधिक जेनेरिक और 15 प्रतिशत बायोसिमिलर दवाओं की आपूर्ति करता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा दवा निर्यात बाजार है। फार्मेक्सिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में भारत के 27.9 अरब डॉलर मूल्य के दवा निर्यात में से 31 प्रतिशत या 8.7 अरब डॉलर (7,72,31 करोड़ रुपए) अमेरिका को किया गया था। 2025 की पहली छमाही में ही 3.7 अरब डॉलर (32,505 करोड़ रुपए) मूल्य के दवा उत्पादों का निर्यात किया गया। एआईएमईडी के फोरम कोऑर्डिनेटर राजीव नाथ ने कहा, उम्मीद है कि दवाओं पर टैरिफ के इस नए दौर का चिकित्सा उपकरणों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी प्रशासन की नई घोषणा के बाद, दवा कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई। सन फार्मा, बायोकॉन, जाइडस लाइफसाइंसेज, अरबिंदो फार्मा, डॉ. रेड्डीज, ल्यूपिन, सिप्ला और टोरेंट फार्मा जैसी प्रमुख दवा कंपनियों के शेयर लाल निशान में थे।

बिहार में पीएम मोदी ने दी महिलाओं को बड़ी सौगात- सीधे खाते में भेज दिए 10-10 हजार

पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज बिहार की महिलाओं को कई सौगातें दी। उन्होंने सीधे 10-10 हजार की राशि उनके खातों में ट्रांसफर की और दावा करते हुए कहा कि आपके दो भाई नरेंद्र और नीतीश आपकी खुशहाली और समृध्दि के लिए लगातार काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने आज शुक्रवार को मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही बिहार की 75 लाख महिलाओं के खाते में 10-10 हजार रुपये ट्रांसफर किये। इस योजना का उद्देश्य महिला सशक्तिकरण, राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और महिलाओं में स्वरोजगार के अवसर को बढ़ाना है। जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आपका ये भाई तब खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ हो, परिवार खुश हो। आज आपके दो भाई नरेंद्र और नीतीश मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं। आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में फोर्स-पुलिस में आ रही हैं। लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं।

वहीं इस मौके पर सीएम नीतीश कुमार ने कहा, बिहार में पहले की सरकार ने कोई काम नहीं किया। 24 नवंबर 2005 से जब से एनडीए की सरकार बनी हम काम में लगे हैं। अब बिहार में कानून का राज है। हमने शुरू से महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। नीतीश ने लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा, ये तो हट गया था 7 साल के बाद तो पत्नी को बना दिया सीएम। वो केवल अपने परिवार को देखते हैं। हमलोग जनता के लिए काम करते हैं। हमने बिहार के विकास के लिए काम किया है।

राजग पर जमकर साधा निशाना

इस मौके पर पीएम मोदी ने कहा हमें वो दिन भी नहीं भूलने है, जब बिहार में राजद की सरकार थी। अराजकता की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं ने ही झेली हैं। उस समय सड़क, पुल-पुलिया का नाम तक नहीं था, इन चीजों से सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाओं को ही होती है। राजद के राज में बिहार में खौफ था। नक्सली आतंक बेहिसाब था। इसका दर्द सबसे ज्यादा महिलाओं को सहना पड़ता था।आज जब नीतीश जी के नेतृत्व में कानून का राज

लौटा है तो सबसे ज्यादा राहत महिलाओं ने महसूस की हैं। आज बेटियां बेखौफ होकर घर से निकलती हैं।

पीएम ने दीदीयों से किया संवाद

भोजपुर की रीता देवी की बातें सुनकर प्रधानमंत्री मुस्कुरा दिए। उन्होंने कहा, आप कितनी जल्दी-जल्दी बोलती हैं। आपने तो इतनी सारी योजनाएं गिनवा दीं। पीएम ने हाथ जोड़कर रीता देवी का अभिवादन किया। गयाजी के नूर जहां खातून की बातें सुनकर पीएम ने कहा, आपने बढ़िया तरीके से बताया। मेरा एक काम करेंगी। आप हफ्ते में 50 दीदी को इकट्ठे कर के अपनी बातों को समझाइए। उन लोगों को इससे प्रेरणा मिलेगी।

मां दुर्गा से शाह ने की प्रार्थना

इस बार ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण करे

ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर बने दुर्गा पड़ाल में पहुंचे

कोलकाता

कोलकाता दौरे पर शुक्रवार को पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर कोलकाता के प्रसिद्ध संतोष मित्रा स्क्वायर के पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर इस बार अपना दुर्गा पंडाल बनाया है। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि आने वाले विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में एक ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण करे। हमारा बंगाल का गौरव वापस लौटे और कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर के कल्पना का बंगाल का हम निर्माण कर सके।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि उन्होंने मां दुर्गा से प्रार्थना की कि 2026 के बंगाल विधानसभा चुनावों के बाद एक नई सरकार बने जो राज्य के खोए हुए 'सोनार बांग्ला' गौरव को लौटा सके। केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा कि बंगाल फिर सुरक्षित, शांतिपूर्ण और समृद्ध बने और नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर का सपना साकार हो।

उन्होंने कहा, मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि इस विधानसभा चुनाव के बाद एक ऐसी सरकार बने जो राज्य को सोनार बांग्ला बना सके।

शाह ने इस मौके पर शिक्षाविद् व महान समाज सुधारक ईश्वर चंद्र विद्यासागर को भी उनकी जयंती पर याद किया। शाह ने कहा कि ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने शिक्षा व समाज सुधार के क्षेत्र में बंगाल व देश के लिए अपना पूरा जीवन दे

दिया। उनके इस महान योगदान को कभी भुलाया नहीं भूल सकते है।

इसके पहले संतोष मित्रा स्क्वायर सर्बोजनिन दुर्गोत्सव समिति के पंडाल के उद्घाटन के मौके पर शाह ने कहा, मैं बंगाल और देश के लोगों को दुर्गा पूजा की शुभकामनाएं देता हूं। इस बीच गृह मंत्री ने राज्य में हाल ही में हुई बारिश से संबंधित घटनाओं में हुई मौतों पर भी शोक व्यक्त किया।

शाह ने कहा, मैं बंगाल में बारिश से संबंधित घटनाओं में मरने को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। बता दें कि 23 सितंबर को महानगर और आसपास के इलाकों में मूसलाधार बारिश के बाद करीब 11 लोगों की मौत हो गई।

राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका

अमेरिका में सिखों पर टिप्पणी मामले में याचिका खारिज

प्रयागराज

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से झटका लगा है। अब उनके खिलाफ सिखों पर टिप्पणी मामले में वाराणसी कोर्ट में मुकदमा चलेगा। दरअसल, पिछले साल अमेरिका दौरे पर राहुल गांधी ने कहा था- लड़ाई इस बात की है कि क्या एक सिख को भारत में पगड़ी और कड़ा पहने का अधिकार है।

राहुल के इस बयान के खिलाफ नागेश्वर मिश्रा ने वाराणसी की मजिस्ट्रेट कोर्ट में याचिका दायर की, लेकिन कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके बाद उन्होंने एमपी-एमएलए कोर्ट में दोबारा याचिका दायर की, जिसे 21 जुलाई, 2025 को कोर्ट ने स्वीकार कर लिया।

एमपी-एमएलए कोर्ट के फैसले के खिलाफ राहुल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 3 सितंबर को बहस पूरी होने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था।

यह सरकार महिलाओं का सम्मान नहीं करती, सरकार बदलना होगा: प्रियंका गांधी

शक्ति पंचायत कार्यक्रम को किया संबोधित

पटना कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने बिहार की राजधानी पटना में कांग्रेस कार्यालय सदाकत आश्रम में आयोजित महिला संवाद कार्यक्रम शक्ति पंचायत में मौजूद महिलाओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बिहार की महिलाएं पूरे समाज का बोझ उठा रही हैं, लेकिन सरकार उनकी अनदेखी कर रही है।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सवाल कर कहा कि 20 साल से यह एनडीए सरकार है, आखिर पहले इस योजना की शुरुआत क्यों नहीं हुई ? उन्होंने महिलाओं का आह्वान कर कहा कि हमें लोगों की नियत देखनी होगी, तभी निर्णय लेना होगा। उन्हें पता है कि वे आपके समर्थन के बिना बिहार में सरकार नहीं बना पाएंगे।

प्रियंका गांधी ने महिलाओं से अपनी शक्ति और अपने सम्मान को जानने की अपील कर कहा कि यहां रोजगार के साधन नहीं हैं। महिलाओं के पति काम के कारण बाहर रहते हैं और महिलाओं को यहां गांव में रहकर काम करना पड़ता है।

प्रियंका गांधी ने कहा, आप अपनी शक्ति को नहीं पहचानती हैं, लेकिन पार्टियां आपकी शक्ति को समझ रही हैं। इसलिए आपको चुनाव से पहले आपको पैसे दिए जा रहे हैं। हम सबके अलग-अलग संघर्ष हैं।

उन्होंने भरोसा दिया कि हम आपके सम्मान के लिए काम करने वाले है। बिहार में महिलाओं को 25 लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जाएगा तथा तीन से पांच

डिसमिल जमीन दी जाएगी, जो महिलाओं के नाम पर होगी।

उन्होंने कहा कि चुनाव के समय 10 हजार रुपए देने वालों को सबक सिखाना होगा। भाजपा और नीतीश कुमार की सरकार महिलाओं का सम्मान नहीं कर सकती है। इस सरकार को बदलना होगा। महागठबंधन में बिहार की सभी महिलाओं के लिए प्रति महीने 2,500 रुपए देने का निर्णय लिया गया है।

मिग-21 सिर्फ विमान नहीं भारत-रूस के मजबूत संबंधों का जीताजगाता प्रमाण: राजनाथ सिंह

चंडीगढ़

भारतीय वायुसेना के पहले सुपरसोनिक विमान को शुक्रवार को सेवामुक्त किया गया। इस मौके पर आयोजित समारोह में केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। अपने भाषण में रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि मिग-21 राष्ट्रीय गौरव और रक्षा कवच है। सिंह ने कहा कि मिग-21 सैन्य विमानन का इतिहास अद्भुत फाइटर प्लेन है। मिग-21 ने सैन्य विमान यात्रा में कई गौरवपूर्ण क्षण जोड़े हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि मिग-21 केवल एक विमान या मशीन ही नहीं, बल्कि भारत-रूस के मजबूत संबंधों का जीताजगाता प्रमाण भी है।

रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि जब मिग-21 की बात आती है, तब हमेशा कहा जाता है कि भारतीय वायुसेना 60 साल पुराना विमान उड़ा रही थी। उन्होंने कहा, मैं इस मौके पर एक महत्वपूर्ण तथ्य स्पष्ट करना चाहता हूँ। 1960 और 1970 के दशक में हमारे सशस्त्र बलों में आए मिग-21 विमान बहुत पहले ही सेवा से रिटायर्ड हो चुके हैं।

रक्षा मंत्री ने बताया कि अब तक हम जो मिग-21 विमान उड़ा रहे थे, वे अधिक से अधिक 40 साल पुराने थे। इसतरह के विमानों के मानकों के हिसाब से 40 साल का जीवनकाल पूरी तरह से सामान्य है। कई देशों में इसतरह के लड़ाकू विमानों को बस इतने ही समय तक सक्रिय रखा जाता है। लेकिन मिग-21 की एक खास बात यह है कि इस विमान को तकनीकी रूप से हमेशा अपडेट रखा गया है।

उन्होंने कहा कि जिस मिग-21 को देख रहे हैं, उस त्रिशूल, विक्रम, बादल और बाइसन जैसे नामों से भी जाना जाता रहा है। इसके वर्तमान स्वरूप को अपडेट किया गया था। राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां, मैं हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड की भी सराहना करता हूं, जिसने अपने एडवांस रडार और एवियोनिक्स के साथ मिग-21 को निरंतर अपडेट करने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

लेह हिंसा के बाद सोशल एक्टिविस्ट वांगचुक गिरफ्तार, एनएसए के तहत की गई कार्रवाई

हिंसा में 4 लोगों की हो गई थी मौत और करीब 90 लोग हुए थे घायल

लेह

लद्दाख के जाने-माने सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक को शुक्रवार 26 सितंबर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। उनके खिलाफ यह कार्रवाई हाल ही में हुई लेह हिंसा के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत की गई। प्रशासन अब यह तय कर रहा है कि उन्हें जेल भेजा जाए या किसी अन्य व्यवस्था में रखा जाए।

जानकारी अनुसार शुक्रवार दोपहर ढाई बजे वांगचुक प्रेस को संबोधित करने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। बांगचुक की गिरफ्तारी डीजीपी एसटी सिंह जामवाल के नेतृत्व में लद्दाख पुलिस की टीम ने की है। इस गिरफ्तारी के बाद ही लेह में इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगा दी गई।

अधिकारियों के अनुसार, वांगचुक पर आरोप है कि उन्होंने लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर चल रहे प्रदर्शनों में लोगों को उकसाया, जिसके चलते हालात बिगड़े। गौरतलब है कि 24 सितंबर को लेह में प्रदर्शन हिंसक हो गया था। इसमें 4 लोगों की मौत हो गई थी और करीब 90 लोग घायल हुए थे।

यहां बताते चलें कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एक दिन पहले ही सोनम वांगचुक द्वारा स्थापित स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख (एसईसीएमओएल) का एफसीआरए लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की थी। ऐसे में लद्दाख के लिए राज्य का दर्जा और संवैधानिक सुरक्षा उपायों की मांग को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन का नेतृत्व कर रहे कार्यकर्ता ने अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को लेकर भी चिंता जाहिर की थी।

बहरहाल हिंसा के बाद जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया।

पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने सख्ती से कर्फ्यू का पालन कराया है। अब तक 50 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया जा चुका है।

लेह जिला मजिस्ट्रेट ने सुरक्षा कारणों से दो दिन के लिए सभी सरकारी व निजी स्कूलों, कॉलेजों और आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद रखने का आदेश दिया है।

इसके अलावा, हालात काबू में

रखने के लिए लेह ही नहीं, बल्कि कारगिल और आसपास के शहरों में भी धारा 144 लागू कर दी गई है। उपराज्यपाल कविंद्र गुप्ता ने उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की और हिंसा को षड्यंत्र का नतीजा बताते हुए सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता बढ़ाने के निर्देश दिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोनम वांगचुक भी है बेवफा?

अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक भी अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में हाल ही में हुये जेन- जेड के विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुये लोगों को भ्रमित ही कर रहे थे। सोनम वांगचुक ऊर्जावान व्यक्तित्व के स्वामी हैं, इसीलिये उनसे प्रेरित होकर लोकप्रिय फिल्म में फुंगसुक वांगडू की भूमिका तय की गई थी लेकिन, हाल-फिलहाल के घटनाक्रम को देखा जाये तो, सोनम भी बेवफा ही दिखाई दे रहे हैं,

(लेखक- बीपी गौतम)

भारत का महत्वपूर्ण हिस्सा लद्दाख शांत क्षेत्र माना जाता है। 2019 में एकीकृत जम्मू-कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से लद्दाख के लोगों की कुछ मांगें रही हैं, जिनको लेकर गृह मंत्रालय ने सकारात्मक व्यवहार किया और वार्ता के लिये निमंत्रण दिया, साथ ही बैठक की तिथि भी तय हो गई, इस सबके बीच में हिंसा का भड़कना अप्रत्याशित है, इसलिये हिंसा के पीछे षडंयत्र होने की बात को स्पष्ट नकारा नहीं जा सकता। अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक भी अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में हाल ही में हुये जेन- जेड के विरोध प्रदर्शनों का उल्लेख करते हुये लोगों को भ्रमित ही कर रहे थे। सोनम वांगचुक ऊर्जावान व्यक्तित्व के स्वामी हैं, इसीलिये उनसे प्रेरित होकर लोकप्रिय फिल्म में फुंगसुक वांगडू की भूमिका तय की गई थी लेकिन, हाल-फिलहाल के घटनाक्रम को देखा जाये तो, सोनम भी बेवफा ही दिखाई दे रहे हैं, इसी मुद्दे पर चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...

यह है ताजा घटना

लद्दाख में चल रहा सोनम वांगचुक का अनशन बुधवार को हिंसक आंदोलन में बदल गया। तोड़-फोड़, आगजनी और पथराव के बीच भीड़ ने भाजपा कार्यालय फूंक दिया।, यहां उपस्थित कार्यकर्ताओं ने भागकर किसी तरह अपनी जान बचाई। झड़पों में चार प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई। 30 पुलिस कर्मियों सहित 80 से अधिक लोग घायल हुये हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प के बाद चार दिवसीय वार्षिक लद्दाख महोत्सव अंतिम दिन बुधवार को रद्द कर दिया गया है। चार दिवसीय लेह महोत्सव रविवार को शुरू हुआ था, इसके समापन समारोह में उप-राज्यपाल कवीन्द्र गुप्ता को सम्मिलित होना था।

बंद के दौरान भड़की थी हिंसा

हिंसा लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) की युवा शाखा की ओर बुलाये गये बंद के दौरान हुई। 10 सितंबर से 35 दिन की भूख हड़ताल पर बैठे 15 लोगों में से दो की हालत मंगलवार शाम बिगड़ने के बाद एकजुटता दिखाने को बंद का आह्वान किया गया था। मंगलवार को त्सेरिंग अंगचुक (72) और ताशी डोल्मा (60) की हालत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बंद के आह्वान पर लेह शहर में बाजार दुकानें बंद रहीं, बड़ी संख्या में लोग एनडीएस स्मारक मैदान में जमा हो गये थे, इस दौरान छठी अनुसूची और राज्य के समर्थन में नारे लगाते हुये शहर की सड़कों पर मार्च निकाला जाने लगा लेकिन, स्थिति तब बिगड़ गई, जब कुछ लोगों ने भाजपा और हिल काउंसिल के मुख्यालय पर पथराव शुरू कर दिया। कार्यालय परिसर और एक सरकारी भवन के फर्नीचर और कागजात में आग लगा दी। एक समूह ने कई वाहनों को भी फूंक दिया। हालात काबू करने के लिये पुलिस और अर्धसैनिक बलों ने आंसू गैस के गोले छोड़े, गोलीबारी भी करनी पड़ी, कई घंटों की भीषण झड़प के बाद स्थिति काबू में आ सकी।

यह हैं प्रमुख मांगें

अनशनकारियों की मांग है कि लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाये और छठी अनुसूची का विस्तार किया जाये। संविधान की छठी अनुसूची शासन, राष्ट्रपति व राज्यपाल की शक्तियों, स्थानीय निकायों के प्रकार, वैकल्पिक न्यायिक तंत्र और स्वायत्त परिषदों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली वित्तीय शक्तियों के संदर्भ में विशेष प्रावधान करती है। छठी अनुसूची चार पूर्वोत्तर राज्यों त्रिपुरा, मेघालय, मिजोरम और असम की जनजातीय आबादी के लिये है।

सकारात्मक वातावरण में भड़क गई हिंसा

लद्दाख शांत क्षेत्र माना जाता है, इसलिये इसे अस्थिर करने का सुनियोजित षड्यंत्र कहना अनुचित नहीं होगा। हालांकि 2019 में एकीकृत जम्मू-कश्मीर राज्य से अलग होकर केंद्र शासित प्रदेश बन जाने के बाद से लद्दाख के लोग अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ रहे हैं, इनमें स्थानीय युवाओं को सरकारी नौकरियां बड़ा मुद्दा है। भाषा और संस्कृति के संरक्षण की बात की जा रही है। लद्दाख को पूर्ण राज्य बनाये जाने एवं संविधान की छठी अनुसूची में सम्मिलित करने की भी मांग रही है, इन सबको लेकर ही सोनम वांगचुक संघर्ष करते रहे हैं और हाल-फिलहाल भूख हड़ताल पर बैठे थे, इस बीच लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक मोर्चा (केडीए) के प्रतिनिधियों की केंद्रीय गृह मंत्रालय से छः अक्तूबर को बैठक तय हो गई, सोनम वांगचुक के इस बैठक को तय तिथि से पहले किये जाने के अनुरोध को गृह मंत्रालय ने सकारात्मक लिया और लद्दाख के प्रतिनिधियों को 25 सितंबर को दिल्ली आने का निमंत्रण दिया था, इस बीच हिंसा भड़क गई, इसलिये माना जा रहा है कि हिंसा के पीछे षड्यंत्र हो सकता है।

गृह मंत्रालय ने यह कहा

गृह मंत्रालय की ओर से बयान जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि सोनम वांगचुक ने अपने भड़काऊ बयानों के माध्यम से भीड़ को उकसाया था। हिंसक घटनाओं के बीच, उन्होंने अपना उपवास तोड़ा और स्थिति को नियंत्रित करने के लिये कोई व्यापक प्रयास किये बिना एम्बुलेंस से अपने गांव चले गये। सोनम वांगचुक द्वारा 10 सितंबर 2025 को छठी अनुसूची और लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की गई थी। भारत सरकार इन्हीं मुद्दों पर एपेक्स बॉडी लेह और कारगिल डेमोक्रेटिक एलायंस के साथ सक्रिय रूप से बातचीत कर रही है। उच्चाधिकार प्राप्त समिति और उप-समितियों के औपचारिक माध्यम से और नेताओं के साथ कई अनौपचारिक बैठकों के माध्यम से उनके साथ कई बैठकें हुईं।

बातचीत की प्रक्रिया ने लद्दाख की अनुसूचित जनजातियों के लिये आरक्षण को 45त्न से बढ़ाकर 84त्न करने, परिषदों में महिलाओं के लिये एक-तिहाई आरक्षण प्रदान करने और भोटी व पुर्गी को आधिकारिक भाषा घोषित करने जैसे अभूतपूर्व परिणाम दिये हैं, साथ ही 1800 पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू की गई। हालांकि कुछ राजनीतिक रूप से प्रेरित लोग उच्चाधिकार प्राप्त समिति (एचपीसी) के अंतर्गत हुई प्रगति से खुश नहीं थे और संवाद प्रक्रिया को विफल करने का प्रयास कर रहे थे। उच्चाधिकार प्राप्त समिति की अगली बैठक 6 अक्तूबर को निर्धारित की गई है, जबकि लद्दाख के नेताओं के साथ 25 और 26 सितंबर को भी बैठकें आयोजित करने की योजना है।

गृह मंत्रालय का कहना है कि जिन मांगों को लेकर सोनम वांगचुक भूख हड़ताल पर थे, वह एचपीसी में चर्चा का अभिन्न अंग हैं। कई नेताओं द्वारा भूख हड़ताल समाप्त करने का आग्रह करने के बावजूद, उन्होंने भूख हड़ताल जारी रखी और अरब स्प्रिंग शैली के विरोध प्रदर्शनों और नेपाल में जेन- जी के विरोध प्रदर्शनों का भड़काऊ उल्लेख करके लोगों को गुमराह किया।

गृह मंत्रालय ने कहा कि 24 सितंबर को सुबह लगभग 11.30 बजे उनके भड़काऊ भाषणों से उकसाई गई भीड़ भूख हड़ताल स्थल से निकली और एक राजनीतिक दल के कार्यालय के साथ-साथ लेह के सीईसी के सरकारी कार्यालय पर हमला किया। उन्होंने इन कार्यालयों में आग लगा दी, सुरक्षा कर्मियों पर हमला किया और पुलिस वाहन को आग लगा दी। बेकाबू भीड़ ने पुलिस कर्मियों पर हमला किया, जिसमें 30 से अधिक पुलिस, सीआरपीएफ कर्मी घायल हो गये। भीड़ ने सार्वजनिक संपत्ति को नष्ट करना और पुलिस कर्मियों पर हमला करना जारी रखा। आत्मरक्षा में पुलिस को गोलीबारी करनी पड़ी, जिसमें दुर्भाग्य से कुछ लोगों के हताहत होने की खबर है। सुबह-सुबह हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को छोड़कर शाम 4 बजे तक स्थिति नियंत्रण में आ गई। गृह मंत्रालय ने सोनम वांगचुक के एनजीओ का एफसीआरए लाइसेंस भी निरस्त कर दिया है।

कांग्रेस ने भड़काई लेह में हिंसा- भाजपा

भाजपा सांसद एवं प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि लद्दाख में यह दिखाने की कोशिश की गई कि विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व जनरल जेड कर रहे हैं। जब जांच की गई तो, पता चला कि इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व जनरल जेड नहीं बल्कि, कांग्रेस कर रही थी। कांग्रेस पार्षद स्टैनजिन त्सेपांग अपर लेह वार्ड से पार्षद हैं, वह मुख्य भड़काने वाले हैं, उनकी और उनके कार्यकर्ताओं ने हिंसा भड़काने की कई तस्वीरें सामने आई हैं, उन्हें हाथ में हथियार लेकर भाजपा कार्यालय की ओर मार्च करते हुए भी देखा जा सकता है, वह भीड़ को उकसा रहे हैं और भाजपा कार्यालय को निशाना बना रहे हैं। भाजपा सांसद ने कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर नेपाल और बांग्लादेश में हुई घटनाओं जैसी स्थितियों को बार-बार भड़काने का गंभीर आरोप लगाया। भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया कि कांग्रेस पार्षद फुंत्सोग स्टैनज़िन त्सेपाग ने भीड़ को उकसाया और बीजेपी कार्यालय पर हमला करने में शामिल थे।

संपादकीय

यूएन में ट्रंप की मसखरी

संयुक्त राष्ट्र महासभा में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप का जैसा अगंभीर व असामान्य व्यवहार नजर आया, उससे कहीं से नहीं लगा कि वे विश्व की एक महाशक्ति का नेतृत्व कर रहे हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि दुनिया में युद्धों को समाप्त करने के लिये सिर्फ बयानबाजी नहीं, ठोस रणनीति व गंभीर प्रयासों की जरूरत होती है। संयुक्त राष्ट्र में डोनॉल्ड खुद को लगातार जबरदस्ती एक शांति के मसीहा के तौर पर पेश करते रहे हैं। उन्होंने दावा दोहराया कि उनके नेतृत्व में दुनिया में सात युद्धों को समाप्त किया गया। दावा कि उन्होंने संघर्ष को नियंत्रित करने में निर्णायक भूमिका का निर्वहन किया। जबकि इसके विपरीत उनके भाषण का सार कुछ और ही दर्शाता है। साफ नजर आया कि एक ऐसा नेता जो स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये आवश्यक सहयोग के स्तंभों को ही कमजोर कर रहा है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पूंजीपति सरोकारों के अनुरूप उन्होंने 'जलवायु परिवर्तन को अब तक का सबसे बड़ा धोखा' बताकर खारिज कर दिया। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों से पूरी दुनिया में जन-धन की व्यापक क्षति हो रही है। इसके चलते सूखे, बाढ़ व विनाशकारी तूफानों से पूरी दुनिया की खाद्य सुरक्षा खतरे में नजर आ रही है। जो मानव जीवन को लगातार संघर्षमय बना रहे हैं। ट्रंप का शांति बनाये रखने के दावे करना और जलवायु परिवर्तन की वास्तविकता को नकारना, उनके विरोधाभासी व्यवहार को ही दर्शाता है। साथ ही उनकी बयानबाजी के खोखलेपन को ही उजागर करता है। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि उन्होंने विश्वव्यापी प्रवासन को 'राष्ट्रों को नष्ट करने वाली' शक्ति बताकर निंदा की, जो मानवता के खिलाफ दुर्भावना ही कही जाएगी। बेहतर भविष्य और सुखमय जीवन की तलाश में प्रवासन सदियों से मानव इतिहास का हिस्सा रहा है। जिसने विभिन्न समाजों को नया आकार दिया है और प्रगति को नई गति दी है। निस्संदेह, प्रवासियों को खतरे के रूप में पेश करना जेनोफोबिया को बढ़ावा देना है। जो वैश्विक समुदायों को विभाजित करने की कुत्सित कोशिश है। ऐसे संघर्ष को रोकने के बजाय इस तरह की गैरजिम्मेदार बयानबाजी सामाजिक आक्रोश और विभाजन को ही जन्म देगी। कालांतर ये विकसित राष्ट्रों में आए प्रवासियों के विरुद्ध नस्लीय हिंसा को बढ़ावा देगा। निस्संदेह, प्रवासियों के लिये अपने दरवाजे बंद करने से शांति सुनिश्चित नहीं होती। आज जब आधुनिक तकनीक व संचार क्रांति के चलते दुनिया के एक गांव में तब्दील होने की बात कही जाती है तो यह सोच नितांत अतार्किक व मानवीय मूल्यों की विरोधी ही है। वहीं दूसरी ओर संयुक्त राष्ट्र पर ट्रंप का हमला करना और इसे 'अप्रभावी और पाखंडी करार देना'- उनके कथित शांतिदूत होने के दावे को कमजोर करता है। माना कि संयुक्त राष्ट्र संघ की अपनी सीमाएं हैं, लेकिन आज के संघर्षरत विश्व में यह एकमात्र वैश्विक निकाय है, जो संवाद, मानवीय राहत और शांति स्थापना के लिये कारगर विकल्प प्रस्तुत करता है। खुद को शांति के संरक्षक के रूप में प्रस्तुत करते हुए, इस पर अनुचित तरीके से हमला करना, उन्हीं संस्थाओं को कमजोर करना है, जो दुनिया को युद्ध के संकट से बचाने का काम करती हैं। बहरहाल, घटनाक्रम का भारत के लिये स्पष्ट सबक है कि हमें वाशिंगटन के साथ मजबूत संबंध बनाये रखते हुए, अलगाववादी-संशयवादी राजनीति में नहीं फंसना चाहिए। इसके बजाय, भारत को बहुपक्षवाद, जलवायु नेतृत्व और समावेशी वैश्विक शासन पर दुगनी गति से जोर देना चाहिए। शांति को केवल सैन्य संयम तक सीमित नहीं किया जा सकता।

विश्व पर्यटकों के लिये अनंत संभावनाओं का देश है भारत

(लेखक- ललित गर्ग)

(विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 पर विशेष)

विश्व पर्यटन दिवस- 27 सितम्बर, 2025 इस बात का स्मरण कराता है कि पर्यटन केवल मनोरंजन का साधन भर नहीं है, बल्कि यह किसी भी राष्ट्र की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रगति का आधार स्तंभ है। इस वर्ष की थीम कुछ स्रोतों में 'पर्यटन और हरित निवेश' या 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' बतायी जा रही है जिसका उद्देश्य पर्यटन को स्थिरता और समावेशिता के साथ बढ़ावा देना है। यह थीम स्थायी पर्यटन के लिए हरित निवेश की तत्काल आवश्यकता पर जोर देती है, जो समुदायों और ग्रह दोनों के लिए फायदेमंद है। जिसके माध्यम से, पर्यटन में वैश्विक सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाएगा, जिसमें हरित निवेश, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरणीय दुष्प्रभाव को कम करना शामिल है। यह दिवस मनाते हुए भारत की पर्यटन संभावनाओं पर चिन्तन-मंथन करना जरूरी है। क्योंकि भारत जैसे विविधताओं से भरे देश में पर्यटन की संभावनाएं अनंत हैं। यहाँ हिमालय की बर्फीली चोटियों से लेकर गोवा और अंडमान के समुद्र तटों तक, काशी और बोधगया की आध्यात्मिक आभा से लेकर अजमेर और पुष्कर की आस्था तक, केरल के बैकवाटर्स से लेकर राजस्थान के रेगिस्तान तक हर अनुभव अपने आप में अद्वितीय है। यही कारण है कि भारत का पर्यटन उद्योग आज नई उड़ान भर रहा है और वैश्विक मानचित्र पर अपनी पहचान बना रहा है। विश्व पर्यटन दिवस दुनिया के प्रमुख पर्यटन स्थलों की यात्रा के लिये तो आमंत्रित करता ही है, लेकिन भारत की विविधता और बहुसंस्कृतिवाद के कारण दुनिया के पर्यटकों के लिये विशेष आकर्षक का केन्द्र बन रहा है। जो जीवन में खुशियां एवं मुस्कान देने वाले पर्यटन के महत्व को उजागर भी करता है। आर्थिक विकास और सांस्कृतिक कूटनीति को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने की पहल बदलते समय के साथ विश्व पर्यटन दिवस नई पहलों, नीतिगत सुधारों और क्षेत्र की उपलब्धियों का जश्न मनाने पर ध्यान केंद्रित करने वाले दिन के रूप में विकसित हुआ है। इसका उद्देश्य रोजगार सृजन, विश्व मानवता को बल देना, युद्धमुक्त वातावरण और विविध वैश्विक सांस्कृतिक विरासत और डिजिटल परिवर्तन को बढ़ावा देकर विश्व समुदायों को सशक्त बनाना है।भारत में पर्यटन के आर्थिक प्रभाव बेहद व्यापक हैं। यह भारत की जीडीपी में महत्वपूर्ण योगदान देता है और करोड़ों लोगों के लिए रोजगार का सबसे बड़ा साधन बन चुका है। गाँवों और कस्बों तक पर्यटन का असर पहुँच रहा है, जिससे स्थानीय हस्तशिल्प, लोककला और खानपान को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिल रही है। विदेशी पर्यटक न केवल हमारी संस्कृति और आध्यात्मिकता से प्रभावित होते हैं। पर्यटन के सामाजिक प्रभाव भी उल्लेखनीय हैं। यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान का माध्यम बनकर विभिन्न धर्मों, भाषाओं और परंपराओं के बीच सद्भाव और भाईचारे को बढ़ाता है। महिला सशक्तिकरण और युवा उद्यमिता को पर्यटन ने नया आयाम दिया है। होम-स्टे, गाइडिंग, हस्तशिल्प और लोक-कलाओं में महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। यही नहीं, ग्रामीण पर्यटन ने गाँवों को विकास के नए अवसर प्रदान किए हैं और पलायन की समस्या को कम करने की क्षमता दिखाई है। राजनीतिक और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य से भी पर्यटन भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूत करता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' और 'देखो अपना देश' जैसे अभियानों ने भारत की वैश्विक पहचान को और गहरी किया है। हाल के वर्षों में भारत ने जी-20 जैसे आयोजनों के जरिए अपने पर्यटन स्थलों की भव्यता और सांस्कृतिक विरासत को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया, जिससे न केवल राजनीतिक विश्वास बढ़ा बल्कि भारत की सांस्कृतिक शक्ति का विस्तार भी हुआ। पड़ोसी देशों के साथ बौद्ध और आध्यात्मिक सर्किट की योजनाओं ने भारत को एशिया का आध्यात्मिक केंद्र स्थापित करने में मदद की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यटन को भारत की शक्ति बनाने का संकल्प लिया है। उन्होंने 'भारत जोड़ो यात्रा', 'देखो अपना देश' अभियान और 'प्रोजेक्ट आध्यात्मिक सर्किट' जैसी योजनाओं के माध्यम से पर्यटन को जन-आंदोलन का रूप दिया है। योग और आयुर्वेद को विश्वभर में लोकप्रिय बनाने के उनके प्रयासों ने भारत को हेल्थ और वेलनेस टूरिज्म का प्रमुख केंद्र बना दिया है। मोदी सरकार स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट्स, हवाई अड्डों का विस्तार, चारधाम परियोजना, उच्च गति रेल और 'भारतमाला' जैसी योजनाएं पर्यटन को नई सुविधाओं से जोड़ रही हैं। प्रधानमंत्री का यह मानना है कि भारत का हर गाँव और हर शहर अपने आप में एक अनोखा पर्यटन स्थल है और उसकी कहानी दुनिया तक पहुँचाई जानी चाहिए। आज जब डिजिटलाइजेशन ने पर्यटन को नई दिशा दी है, ऑनलाइन टिकटिंग, वर्चुअल टूर और एआई आधारित यात्रा मार्गदर्शन ने पर्यटन को आधुनिक युग से जोड़ दिया है। सस्टेनेबल टूरिज्म पर जोर देकर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रकृति और संस्कृति दोनों की सुरक्षा बनी रहे। मिलेनियल्स और नई पीढ़ी अनुभव-आधारित और साहसिक पर्यटन की ओर आकर्षित हो रही है और भारत इस अवसर को भुनाने में आगे बढ़ रहा है।

भारत विश्व स्तर पर पांचवां सबसे बड़ा यात्रा और पर्यटन बाजार बनने के लिए तैयार है। भारत में पर्यटन क्षेत्र तेजी से बढ़ रहा है और 2027 तक तीसरा सबसे बड़ा घरेलू बाजार बनने की उम्मीद है। 2023 में, भारत में पर्यटन पर होने वाला खर्च 2019 के 127 बिलियन डॉलर से बढ़कर 174 बिलियन डॉलर तक पहुँच गया। सबसे ज्यादा पर्यटक तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र सहित 5 राज्यों में गए, जहाँ कुल मिलाकर 65 प्रतिशत पर्यटक आए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शिता से धार्मिक पर्यटन को नये पंख लगे हैं, अयोध्या में बना भगवान श्रीराम का मन्दिर एवं प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ ने धार्मिक पर्यटन के नये कीर्तिमान स्थापित किये हैं।

चिंतन मनन

प्रयत्न में ऊब नहीं

संसार में गति के जो नियम हैं, परमात्मा में गति के ठीक उनसे उलटे नियम काम आते हैं और यहीं बड़ी मुश्किल हो जाती है। संसार में ऊबना बाद में आता है, प्रयत्न में ऊब नहीं आती। इसलिए संसार में लोग गति करते चले जाते हैं। पर परमात्मा में प्रयत्न में ऊब आती है और प्रयत्न पहले ही उबा देगा, तो आप रुक जाएंगे। कितने लोग हैं जो प्रभु की यात्रा शुरू भर करते हैं, पर कभी पूरी नहीं कर पाते। कितनी बार तय किया कि स्मरण कर लेंगे प्रभु का घड़ीभर! एकाध दिन, दो दिन। फिर ऊब गए। फिर छूट गया। कितने संकल्प, कितने निर्णय, धूल होकर पड़े हैं चारों तरफ! लोग कहते हैं कि ध्यान से कुछ हो सकेगा? मैं कहता हूं जरूर हो सकेगा। कठिनाई सिर्फ एक है, सातत्य! कितने दिन कर सकोगे? मुश्किल से कोई मिलता है, जो तीन महीने भी सतत कर पाता है। दस-पांच दिन बाद ऊब जाता है! आश्चर्य है कि मनुष्य जिंदगी भर अखबार पढ़कर नहीं ऊबता, रेडियो सुनकर नहीं ऊबता, फिल्म देखकर नहीं ऊबता, रोज वही बातें करके नहीं ऊबता। ध्यान करके क्यों ऊब जाता है? आखिर ध्यान में ऐसी क्या कठिनाई है! कठिनाई एक ही है कि संसार की यात्रा पर प्रयत्न नहीं उबाता, प्राप्ति उबाती है और परमात्मा की यात्रा पर प्रयत्न उबाता है, प्राप्ति कभी नहीं उबाती। जो पा लेता है, वह फिर कभी नहीं ऊबता। बुद्ध ज्ञान के बाद चालीस साल जिंदा थे।

चालीस साल किसी ने एक बार उन्हें अपने ज्ञान से ऊबते हुए नहीं देखा। कोहनूर हीरा मिल जाता चालीस साल तो ऊब जाते। संसार का राज्य मिल जाता तो ऊब जाते। महावीर भी चालीस साल जिंदा रहे ज्ञान के बाद। निरंतर उसी ज्ञान में रमे रहे, कभी ऊबे नहीं! कभी चाहा नहीं कि कुछ और मिल जाए। परमात्मा की यात्रा पर प्राप्ति के बाद कोई ऊब नहीं है। इसलिए कृष्ण कहते हैं कि बिना ऊबे श्रम करना कर्त्तव्य है, करने योग्य है। अर्जुन कैसे माने और क्यों माने? अर्जुन तो जब प्रयास करेगा, तो ऊबेगा, थकेगा। कृष्ण कहते हैं, इसलिए धर्म में ट्रस्ट का, भरोसे का एक कीमती मूल्य है। श्रद्धा का अर्थ होता है, ट्रस्ट। उसका अर्थ होता है, कोई कह रहा है। अर्जुन भलीभांति कृष्ण को जानता है। कृष्ण को भी विचलित नहीं देखा है। कृष्ण को उदास नहीं देखा है। कृष्ण की बांसुरी से कभी दुख का स्वर निकलते नहीं देखा है। कृष्ण सदा ताजे हैं।

न्यायालयों से नहीं मिल रहा न्याय, न्यायालय बने अन्याय का प्रतीक?

(लेखक- सनत जैन)

भारत में न्यायालयों से नागरिकों को न्याय नहीं मिल रहा है? न्यायालय अब अन्याय के प्रतीक के रूप में हैं। सरकार जिस तरह से नियम कायदे और कानून बना रही है। उसके कारण मुकदमों की संख्या भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ती जा रही है। भारत की न्यायालयों में सबसे बड़ी मुकदमेबाज सरकार है। सिविलकोर्ट, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के बाद विभिन्न न्यायाधिकरण, नियामक आयोग, लोक अदालत जैसे न्याय के कई द्वार आम जनता के लिए खोल दिए गए हैं। लेकिन यह सभी नागरिकों के लिए एक बड़ी मुसीबत बने हुए हैं। तारीख पर तारीख मिलती है, समय पर न्याय नहीं मिलता है। 2024 में लोक अदालत में 10.45 करोड़ मामले लंबित थे 2023 में 8.53 करोड़ तथा 2022 में 4.19 करोड़ मुकदमे सुनवाई के लिए आए थे। दावा है, लोक अदालत में अभी तक 23 करोड़ मुकदमों का निपटारा किया गया है। सुप्रीमकोर्ट, हाईकोर्ट और जिले की अदालतों में अभी भी 5.3 करोड़ मामले लंबित हैं। विभिन्न ट्रिब्यूनल, नियामक आयोग और अन्य न्यायाधिकरणों की बात अलग है। उनके बारे में कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। न्यायालयों में फर्जी मुकदमों की बाढ़ आई हुई है। हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट में अब शपथ पत्र का कोई औचित्य नहीं रह गया है। झूठा शपथ पत्र देने पर सरकार पर कभी कोई कार्रवाई हुई हो, ऐसा कभी दिखता नहीं है। हां कोई कमजोर व्यक्ति यदि गलत शपथ पत्र दे देता है, तो उसको जरूर हाईकोर्ट और सुप्रीमकोर्ट से दंडित कर दिया जाता है। जेल के 70 फ़ीसदी कैदी अंडर ट्रायल में जेलों में बंद है। आम आदमी की बहुत बड़ी कमाई मुकदमे बाजी में खर्च हो रही है। पुलिस, वकील, जज और पेशी में आने जाने में आदमी अपने जीवन की कमाई का बहुत बड़ा हिस्सा खर्च कर रहा है। उसके बाद भी जैसे एक बार न्यायालय का भूत लग जाता है, तो वह आसानी से पीछा नहीं छोड़ता है। एक बार पेशी शुरू होती है, तो कई वर्षों तक खत्म नहीं होती है। अदालत में सबसे बड़ी मुकदमे बाद अब सरकार बन गई है। विद्युत मंडल, नगर निगम, राज्य सरकारें पुलिस के मुकदमे अदालते में पहुंच रहे है। अदालत में जजों की संख्या मुकदमों के अनुसार तय नहीं होती है। जो स्वीकृत पद हैं, उनमें भी 30 से 40 फ़ीसदी पद हमेंशा खाली पड़े रहते हैं। सही मायने में सरकार जो नियम कायदे कानून बनाती है, वही मुकदमों को बढ़ाने वाले होते हैं। नियम एवं कानून में इतने बट किंतु परंतु रहते हैं, जिसके कारण भ्रष्टाचार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। न्यायालयों में लंबे समय तक न्याय नहीं मिलने के कारण अब लोग अन्याय का शिकार हो रहे हैं। आम आदमी के मौलिक अधिकारों को लगातार सीमित किया जा रहा है। हर क्षेत्र में सरकारी दखलदांजी बढ़ती चली जा रही है। न्यायालय मैं बैठे जज असंवेदनशील हैं। न्यायालयों में भी भ्रष्टाचार बढ़ गया है। जमानत और स्टे के रूप में भारी भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी देखने को मिल रही है। जिसके कारण लोग कहने लगे हैं, न्यायालय जाने से न्याय तो मिलता नहीं है। इसलिए जो हो रहा है, उसे या तो स्वीकार कर लो, लड़ोगे तो जो है वह भी खत्म हो जाएगा। हाल ही में राहुल गांधी ने एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कहा, वोट चोरी के मुद्दे पर वह सबूत के साथ अपना पक्ष नेता प्रतिपक्ष के रूप में रख चुके हैं। देश में अन्य संवैधानिक संस्थाएं हैं, उनकी भी जिम्मेदारी है, वह भी अपने कर्तव्य का पालन करें। यह कहकर एक तरह से उन्होंने न्यायपालिका और अन्य जांच एजेंसियों को निशाने पर लिया। श्रीलंका बांग्लादेश और नेपाल में न्यायपालिका के प्रति लोगों का गुस्सा फूटा है। न्यायपालिका पर जब तक आस्था और विश्वास रहेगा तभी तक वह अस्तित्व में रहेंगे। जिस तरह से न्यायपालिका सरकार और पूंजीपतियों के हित में काम करती हुई दिख रही हैं। आम आदमी पूरी तरह से न्याय के मंदिर में उपेक्षित है। 5-5 साल से बिना किसी चार्जशीट के युवा और छात्र जेलों में बंद है। गरीबों को न्यायालय से न्याय नहीं मिल रहा है। गरीब सरकार और सक्षम लोगों के उत्पीड़न का शिकार हो रहा है। सुप्रीमकोर्ट और हाईकोर्ट अपने दिए गए निर्णय का पालन सरकार से नहीं करा पा रहे हैं।

न्यायालयों में जिस तरह से वंशवाद, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, अकर्मणयता असंवेदनशीलता तथा संविधान के प्रति गैर जिम्मेदारी देखने को मिल रही है। उससे न्याय पालिका की पहचान आम लोगों के बीच है। न्यायालयों की कार्यप्रणाली में सरकारों का हस्तक्षेप बढ़ रहा है। न्याय की देवी की आंखों से काली पट्टी हटा दी गई है। अब खुली आंखों से न्यायाधीश न्याय कर रहे हैं। मनचाहा न्याय उन्हीं लोगों तक पहुंच रहा है, जो समाज में सक्षम है। न्यायालय की तराजू का एक पलडा सरकार, नेताओं और पूंजीपतियों की ओर झुका नजर आता है। हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में बैठे हुए जज सरकार के खिलाफ फैसला देने से डरते हैं। सरकार जो चाहती है, उसी तरह के निर्णय आने लगे हैं।

वर्तमान स्थिति में न्यायपालिका को अपने अस्तित्व को बचाए रखना है, तो उसे अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को समझना होगा। जिस तरह से भीड़तंत्र खुद न्याय का प्रतीक बन रहा है। श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल के साथ-साथ यूरोपीय देशों में भी भीड़ तंत्र की ताकत अब न्याय करती हुई दिख रही है। भारतीय न्यायपालिका को वर्तमान स्थिति में गंभीरता के साथ विचार करना होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सोने और चांदी के भाव में गिरावट

सोना 1,12,625 और चांदी लगभग 1,36,876 रुपए पर

नई दिल्ली सोने और चांदी के वायदा भावों में शुक्रवार को नरमी देखी गई। घरेलू बाजार (एमसीएक्स) और अंतरराष्ट्रीय बाजार दोनों ही प्लेटफॉर्म पर कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। निवेशकों और ट्रेडर्स के लिए यह सत्र सतर्कता बरतने का संकेत दे रहा है। एमसीएक्स पर सोने का अक्टूबर वायदा भाव 1,12,625 पर खुला, जो पिछले बंद 1,12,629 से 4 रुपए कम है। इस समय यह 108 रुपए की गिरावट के साथ1,12,521 रुपए पर कारोबार कर रहा था। इस दौरान सोने ने 1,12,511 रुपए का न्यूनतम और 1,12,625 रुपए का अधिकतम स्तर छू लिया। इस सप्ताह इसका उच्चतम स्तर 1,14,179 रुपए रहा। चांदी के दिसंबर वायदा कॉन्ट्रेक्ट में भी कमजोरी दिखी। यह 1,36,876 रुपए पर खुला, जो 180 रुपए की गिरावट है। इस समय यह 318 रुपए की गिरावट के साथ 1,36,738 रुपए पर कारोबार कर रहा था। दिन का न्यूनतम स्तर 1,36,504 और अधिकतम 1,36,876 रुपए रहा। इस सप्ताह चांदी 1,37,530 रुपए प्रति किलो तक गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दबाव नजर आया। सोना 3,781.50 डॉलर पर खुला और गिरकर 3,769.40 डॉलर पर आ गया। वहीं, चांदी 45.47 डॉलर पर खुलकर 44.98 डॉलर प्रति औंस पर आ गई। विशेषज्ञों के अनुसार, वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता और डॉलर की मजबूती के कारण कीमती धातुओं में यह गिरावट देखी जा रही है।

जेएसडब्ल्यू स्टील को राहतः सुप्रीम कोर्ट ने बीपीएसएल के अधिग्रहण को दी मंजूरी

नई दिल्ली उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को भूषण पावर एंड स्टील लिमिटेड (बीपीएसएल) के अधिग्रहण के लिए जेएसडब्ल्यू स्टील की 19,700 करोड़ रुपए की समाधान योजना को मंजूरी दे दी। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने पुराने आदेश को वापस लेते हुए समाधान योजना को वैध करार दिया। इससे पहले दो मई को दिए गए आदेश में बीपीएसएल के परिसमापन और जेएसडब्ल्यू की योजना को रद्द कर दिया गया था। कोर्ट ने लेनदारों की समिति, समाधान पेशेवर और राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण के आचरण को दिवाला एवं दिवालियापन संहिता का गंभीर उल्लंघन बताया। पूर्व में न्यायमूर्ति बेला एम. त्रिवेदी की पीठ ने जेएसडब्ल्यू स्टील की योजना को अवैध ठहराया था। अब इस निर्णय से जेएसडब्ल्यू स्टील को बड़ी राहत मिली है और बीपीएसएल को दिवालियापन से बचने का अवसर मिला है।

सितंबर में आईपीओ बाजार गुलजार, 1997 के बाद सबसे ज्यादा निर्गम

नई दिल्ली सितंबर में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) बाजार काफी गुलजार रहा है। इस महीने मुख्य बोर्ड और एसएमई प्लेटफॉर्म दोनों पर करीब तीन दशक में सबसे ज्यादा आईपीओ आए हैं। सितंबर अंत तक यानी अगले सप्ताह आने वाले चार निर्गम को जोड़ दें तो कुल 25 आईपीओ मुख्य बोर्ड में हो जाएंगे। जनवरी 1997 के बाद से किसी भी महीने में आईपीओ निर्गम की यह सबसे अधिक संख्या है। इस महीने एसएमई सेगमेंट में भी 56 आईपीओ आए हैं। वर्ष 2012 में छोटे व्यवसायों को शेयर बाजार में प्रवेश करने में मदद करने के लिए शुरू किए गए इस प्लेटफॉर्म की यह अब तक सबसे अधिक आईपीओ संख्या है। अधिकांश गतिविधियां स्मॉलकैप सेगमेंट में हुई हैं। मेनबोर्ड के निर्गम का औसत आकार लगभग 530 करोड़ रुपये है। बाजार के भागीदारों ने आईपीओ की इस बाढ़ का कारण दबी हुई मांग से लेकर नियामकीय समय सीमा तक को बताया है। विश्लेषकों के अनुसार आईपीओ बाजार में आगे भी यह तेजी बनी रह सकती है। फिलहाल 70 कंपनियां हैं, जिनकी योजना 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक जुटाने की है। इन कंपनियों को आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी मिल गई है। इसके अलावा 90 अन्य कंपनियां अनुमानित 1.6 लाख करोड़ रुपये जुटाने के लिए सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं।

सीबीडीटी ने ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने असेसमेंट ईयर 2025-26 के लिए कई ऑडिट रिपोर्ट दाखिल करने की समय सीमा 31 अक्टूबर तक बढ़ा दी है, जो पहले 30 सितंबर थी। सीबीडीटी ने अपने एक्स पर की पोस्ट में लिखा कि यह आयकर में निर्दिष्ट करदाताओं के लिए है। यह विस्तार चार्टर्ड अकाउंटेंटों समेत पेशेवर निकायों द्वारा उठाई गई मांग के बाद किया गया है, जिन्होंने समय पर ऑडिट पूरा करने में करदाताओं के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में आयकर विभाग को बताया था। पेशेवर निकायों द्वारा विस्तार की मांग के समय में उठाए गए कुछ कारणों में बाढ़ और प्राकृतिक आपदाओं के कारण कुछ क्षेत्रों में सामान्य व्यावसायिक और व्यावसायिक गतिविधियों पर पड़ने वाले व्यवधान शामिल हैं। इनमें से कुछ चिंताएं उच्च न्यायालयों के समक्ष भी उठाई गई थीं। आयकर विभाग ने साफ कहा है कि ई-फाइलिंग पोर्टल सुचारू रूप से काम कर रहा है और इसमें कोई बड़ी गड़बड़ी की सूचना नहीं है। 24 सितंबर तक, 4.02 करोड़ से ज्यादा टैक्स ऑडिट रिपोर्ट अपलोड की जा चुकी थीं, जिनमें से 60,000 से ज्यादा अकेले 24 सितंबर को अपलोड की गईं। इसके अतिरिक्त, 23 सितंबर तक 7.57 करोड़ से ज्यादा आयकर रिटर्न दाखिल किए गए। प्रणाली की स्थिरता के बावजूद, सीबीडीटी ने करदाताओं और व्यवसायियों की चिंताओं को स्वीकार किया।

आयकर विभाग की ओर से व्यक्तिगत करदाताओं के लिए इनकम टैक्स रिटर्न जमा करने की तारीख में कोई विस्तार नहीं किया गया है। व्यक्तिगत करदाताओं के लिए आईटीआर जमा करने की तारीख 15 सितंबर को खत्म हो चुकी है।

सितंबर 2025: भारतीय आईपीओ बाजार का नया इतिहास

मुंबई सितंबर 2025 भारतीय आईपीओ बाजार के लिए ऐतिहासिक साबित हुआ है। मुख्य बोर्ड और एसएमई प्लेटफॉर्म मिलाकर इस महीने तीन दशक में सबसे ज्यादा आईपीओ आए हैं। सितंबर अंत तक मुख्य बोर्ड पर 25 आईपीओ पूरे हो जाएंगे। यह जनवरी 1997 के बाद किसी भी महीने में सबसे बड़ी संख्या है। एसएमई सेगमेंट में भी 56 आईपीओ आए, जो 2012 में इस प्लेटफॉर्म की शुरुआत के बाद अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अधिकतर गतिविधियां स्मॉलकैप सेगमेंट में केंद्रित रहीं। मुख्य बोर्ड **IPO** का औसत आकार लगभग 530 करोड़ रहा।मार्च से मई के बीच सुस्ती रही लेकिन 30 सितंबर की नियामकीय समय सीमा से पहले कंपनियों ने पूंजी जुटाने की प्रक्रिया तेज की। दूसरी छमाही की फंडिंग योजनाओं और लिस्टिंग के बाद मजबूत प्रदर्शन ने कंपनियों को आईपीओ लाने के लिए प्रेरित किया। घरेलू नकदी प्रवाह और रिटेल निवेशकों की मजबूत भागीदारी ने बाजार को सहारा दिया। फिलहाल 70 कंपनियां सेबी की मंजूरी के साथ 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक जुटाने की तैयारी कर रही हैं। इसके अलावा 90 कंपनियां अनुमानित 1.6 लाख करोड़ रुपए के आईपीओ के लिए सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं। बड़े आकार के आईपीओ जैसे टाटा कैपिटल, ग्रो और एलजी अगले महीने आ सकते हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 733 , निफ्टी 236 अंक गिरा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही फार्मा कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 733.22 अंक नीचे आकर 80,426.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 236.15 अंक नीचे आकर 24,654.70 पर बंद हुआ। लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक गिरावट रही।

आज सभी सूचकांक नीचे आकर लाल निशान पर बंद हुए हैं। निफ्टी ऑटो, निफ्टी आईटी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी फार्मा, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी एनर्जी और निफ्टी कमोडिटीज इंडेक्स के शेयरों में भी गिरावट दर्ज की गयी। इस दौरान सेंसेक्स पैक में एलएंडटी, टाटा मोटर्स और आईटीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे जबकि एमएंडएम, टाटा स्टील, बजाज फाइनेंस, एशियन पेंट्स, सन फार्मा, टेक महिंद्रा, इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक, बीईएल, ट्रेंट और एचयूएल के शेयरों को सबसे अधिक नुकसान हुआ।

दवा कंपनियों पर नए टैरिफ लगाने से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई, जिससे दवा कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं तकनीकी शेयरों में भी बिकवाली हुई। वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशकों ने सतर्क रुप अपनाया और वे बाजार से दूसरे बनाये रहे।

इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स 100 अंक की कमजोरी के साथ 80,956.01 पर खुला, वहीं निफ्टी 50 सूचकांक 24,818 पर खुलकर 99.65 अंकों की गिरावट के साथ 24,804 पर कारोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में भी कमजोरी देखी गई। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 1.9 फीसदी, जापान का निक्केई 0.3 फीसदी और ऑस्ट्रेलिया का एएसएक्स 200 भी 0.3 फीसदी गिरा। अमेरिका के बाजार भी गुरुवार को तीसरे दिन लगातार नीचे बंद हुए। एसएंडपी 500 और नेस्डेक दोनों में 0.5 फीसदी गिरावट दर्ज की गई।

औषधि पर अमेरिकी शुल्क का जेनेरिक दवाओं पर असर नहीं होगा असरः आईपीए

नई दिल्ली भारतीय औषधि गठबंधन (आईपीए) ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिका के एक अक्टूबर से औषधियों पर 100 प्रतिशत आयात शुल्क लागू करने का असर केवल पेटेंट और ब्रांडेड उत्पाद पर पड़ेगा जेनेरिक दवाओं पर नहीं। आईपीए के एक अे धिकारी ने कहा, यह शुल्क जेनेरिक दवाओं पर लागू नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बयान अमेरिका को आपूर्ति किए जाने वाले पेटेंट और ब्रांडेड उत्पादों के बारे में है। ईपीए 23 अग्रणी भारतीय दवा कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है जिनमें डॉ. रेड्डी, सन फार्मा, ल्यूपिन, जायडस लाइफसाइंसेज शामिल हैं। रतलब है कि ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच 'ट्रुथ सोशल' पर लिखा था '' हम एक अक्टूबर 2025 से सभी ब्रांडेड या पेटेंटेड औषधि उत्पाद पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाएंगे, जब तक कि कोई कंपनी अमेरिका में अपना दवा विनिर्माण संयंत्र स्थापित नहीं करती।

लॉन्ग टर्म निवेश के लिए पांच स्टॉक्स में 36 फीसदी तक रिटर्न की संभावना

फार्मा, बैंकिंग, केमिकल, एफएमसीजी और सीमेंट सेक्टर में निवेश का बढ़िया मौका

नई दिल्ली

अगर आप शेयर बाजार में लंबी अवधि के लिए निवेश की योजना बना रहे हैं, तो फार्मा, केमिकल, बैंकिंग, एफएमसीजी और सीमेंट जैसे सेक्टर्स में चुनिंदा स्टॉक्स आपके पोर्टफोलियो को मजबूत बना सकते हैं।

टॉप ब्रोकरेज फर्म्स ऐं टिक, मोतीलाल ओसवाल और नूवामा ने कुछ स्टॉक्स पर भरोसा जताया है और इन पर 12 फीसदी से लेकर 36 फीसदी तक रिटर्न का अनुमान जताया है। जायडस लाइफ इंश्यूरेंस जो फार्मा क्षेत्र की बड़ी कंपनी है, को ऐं टिक ने 'होल्ड' से अपग्रेड करके 'बाय' कर दिया है। इसका नया टारगेट 1255 रुपये है, जबकि अभी इसका शेयर 1035 रुपये पर कारोबार कर रहा है।

श्री सीमेंट को भी ऐं टिक ने बाय रे टिंग दी है। मौजूदा प्राइस 29,714 रुपये है और टारगेट 33,500 रुपये तय किया गया है। निर्माण क्षेत्र में बढ़ती मांग इसे सपोर्ट कर रही है। एयू स्माल फाइनेंस बैंक पर मोतीलाल ओसवाल ने 875 रुपये का टारगेट दिया है, जबकि इसका एलटीपी 706 रुपये है। बैंक ग्रामीण इलाकों में तेजी से विस्तार कर रहा है, जिससे 23 फीसदी तक रिटर्न की संभावना बन रही है। टाटा कंज्युमर प्रोडक्ट पर भी ब्रोकरेज की नजर है। टारगेट 1300 रुपये है

और मौजूदा भाव 1130 रुपये, यानी 15 फीसदी की बढ़त संभव है। नूवामा ने इसका टारगेट 5298 रुपये रखा है, जिससे 36 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है।

कोल इंडिया गैर-कार्यकारी कर्मचारियों को देगी 1.03 लाख के इनाम

नई दिल्ली सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) जैसी कोयला क्षेत्र की कंपनियों ने त्योहारों के मद्देनजर अपने गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के लिए 1.03 लाख रुपये के पुरस्कार की शुक्रवार को घोषणा की। प्रदर्शन-आधारित पुरस्कार (पीएलआर) किसी व्यक्ति को विशिष्ट, मापनीय लक्ष्य प्राप्त करने के लिए दिया जाने वाला भुगतान या लाभ है।इसका उद्देश्य कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सभी अनुषंगी कंपनियों और सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला खनन कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के गैर-कार्यकारी कर्मचारियों के योगदान एवं कड़ी मेहनत को मान्यता देना और यह सुनिश्चित करना है कि उन्हें उनके प्रयासों के लिए उचित पुरस्कार मिले। पीएलआर से सीआईएल, उसकी अनुषंगी कंपनियों के करीब 2.1 लाख गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों और ससीसीएल के करीब 38,000 गैर-कार्यकारी संवर्ग के कर्मचारियों को लाभ होगा। कोल इंडिया, घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कोयला मंत्रालय ने कहा कि कोयला उद्योग के लिए संयुक्त द्विपक्षीय समिति की मानकीकरण समिति की छठी बैठक के बाद इस प्रोत्साहन राशि की घोषणा की गई।

भारत में कंज्यूमर सेक्टर में सुधार के संकेत, जीएसटी रेट कटौती का दिखेगा असरः रिपोर्ट

नई दिल्ली

भारत में कंज्यूमर सेक्टर में शहरी मांग में एक वर्ष से अधिक समय तक कमजोर बने रहने के बाद, सुधार के संकेत मिल रहे हैं। यह जानकारी गुरुवार को आई रिपोर्ट में दी गई। रिपोर्ट में बताया गया है कि इन उपायों से करीब 2-2.5 लाख करोड़ रुपए सीधे उपभोक्ताओं के हाथ में आएंगे, जो कुल घरेलू खर्च का करीब 2-8 प्रतिशत होगा। रिपोर्ट में बताया गया हैं कि कोरोना के बाद खपत का माहौल सुस्त रहा है, लेकिन हाल के नीतिगत बदलावों से सेक्टर को जरूरी बढ़ावा मिल सकता है। सुस्त रही शहरी मांग में सुधार होने की उम्मीद है, जबकि बढ़ती वास्तविक मजदूरी से ग्रामीण मांग पहले से ही मजबूत बनी हुई है। हालांकि, रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि अधिक बचत या ऋण की चुकौती से रिकवरी की गति धीमी हो सकती है।

रिपोर्ट में बताया गया हैं कि जीएसटी रेट में कटौती से घरेलू और पर्सनल केयर सेगमेंट की तुलना में खाद्य और पेय कंपनियों को अधिक लाभ होगा। छोटे पैक वाले बिस्कुट, नमकीन स्नैक्स और चॉकलेट जैसे उत्पादों की खपत में सीधे बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। वहीं, साबुन और ओरल केयर जैसी कैटेगरी में मांग में केवल एक बार उछाल देखने को मिल सकता है। इस बीच, इस सप्ताह की शुरुआत में व्यापारियों और कारोबार मालिकों ने भी नई जीएसटी व्यवस्था का स्वागत कर कहा कि इन बदलावों से लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी, आवश्यक वस्तुओं की कीमतें कम होंगी और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने त्यौहारों के मौसम में इन उपायों को लागू करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ भी की। एक ब्रांडेड कपड़ों की दुकान के मालिक ने बताया कि नई जीएसटी व्यवस्था ने सिस्टम को सरल बनाया है और कई टैक्स की पुरानी समस्याओं को ठीक किया है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने जीएसटी के माध्यम से 55 लाख करोड़ रुपए पहले जुटाए हैं, जिसका उपयोग राष्ट्रीय विकास और रक्षा के लिए किया जा रहा है।

हीरो की बाइक एक्स440 की कीमत फिलहाल नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली

हीरो मोटोकॉर्प ने अपने ग्राहकों को राहत देते हुए साफ कर दिया है कि बाइक एक्स440 की कीमत फिलहाल नहीं बढ़ेगी और यह पहले की तरह ही 2.40 लाख रुपए (एक्स-शोरूम, दिल्ली) में उपलब्ध रहेगी। हीरो ने यह फैसला त्योहारों के सीजन को ध्यान में रखकर लिया है। एक्स440, जो हीरो और हार्ले-डेविडसन की साझेदारी से बनी है, पिछले दो क्वार्टर्स से अच्छी बिक्री कर रही है। इसके विपरीत, इसका सिबलिंग मॉडल हीरो मार्विक 440 खराब बिक्री के कारण बंद कर दिया गया था।

कंपनी ने तय किया कि अगर एक्स440 की कीमत बढ़ाई जाती तो बिक्री पर नकारात्मक असर पड़ सकता था। इसलिए हीरो ने टैक्स का बोझ स्वयं उठाने का निर्णय लिया, ताकि ग्राहकों को अतिरिक्त खर्च का सामना न करना पड़े। हीरो ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि यह रिवाइज्ड कीमत कितने समय तक लागू रहेगी, लेकिन फिलहाल इसे ग्राहकों के लिए बड़ा फायदा माना जा रहा है।

एक्स440 में 440सीसी का दमदार इंजन मिलता है, साथ ही हार्ले-डेविडसन की क्लासिक स्टाइलिंग और प्रीमियम रोड प्रेजेंस भी मौजूद है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बाइक सेगमेंट में अपनी किफायती कीमत के कारण अन्य बाइक्स के मुकाबले अधिक आकर्षक बन गई है।

जीएसटी बढ़ने के बावजूद कीमत में कोई बदलाव न होने से ग्राहकों को सीधे फायदा हो रहा है और बाइक खरीदने का यह सबसे सही समय माना जा रहा है। इस कदम से हीरो मोटोकॉर्प ने अपने ब्रांड की विश्वसनीयता और ग्राहक संतुष्टि को भी मजबूत किया है। बता दें कि हाल ही में भारत में 350सीसी से ऊपर की मोटरसाइकिलों पर जीएसटी बढ़ाकर 28 प्रतिशत से 40 प्रतिशत कर दिया गया था। इसकी कीमत लगभग 20,000 रुपए तक बढ़ जाएगी।

फोनपे, गूगलपे या पेटीएम यूजर आपके लिए ये खबर

मुंबई

अगर आप फोनपे, गूगलपे या पेटीएम जैसे एप से रोजाना पैसे भेजते या लेते हैं, थोड़ा ध्यान दें। ये खबर आपके लिए है। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई ट्रांजेक्शंस के लिए नए सेटलमेंट नियम लाए हैं। ये 3 नवंबर 2025 से लागू होगा। इससे पैसे के लेन-देन में कुछ बदलाव आएंगे, खासकर बैंकों और डिस्प्यूट्स को हैंडल करने में। अभी तक यूपीआई के सभी ट्रांजेक्शंस, चाहे वे कन्फर्म हो चुके हों या डिस्प्यूट वाले, एक ही साइकल में सेटल होते थे। लेकिन अब एनपीसीआई ने इन्हें अलग-अलग किया है। यानी, जो ट्रांजेक्शन पूरी तरह वैलिड हैं, वे तेजी से सेटल होने वाले है। वहीं, अगर कोई प्रॉब्लम हो, जैसे कि चार्जबैक या डिस्प्यूट, तब वे अलग प्रोसेस से हैंडल होगा। इससे सिस्टम ज्यादा स्मूथ चलेगा और बैंकों को कम झंझट होगा। हालांकि, यूजर्स के लिए इससे ज्यादा फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि ये बदलाव बैकएंड पर हैं। पैसे भेजना या रिसिव वैसा ही रहेगा जैसे पहले से काम करता है। लेकिन अगर कभी ट्रांजेक्शन में गड़बड़ी हो, जैसे पैसे कट गए लेकिन रिसीवर को न पहुंचे, तब डिस्प्यूट सॉल्व करने का तरीका

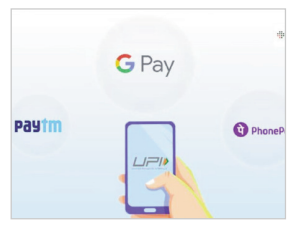

अब पहले से बेहतर हो जाएगा। कुल मिलाकर, आपकी डेली पेमेंट्स सुरक्षित और तेज रहेंगी। इसका सबसे बड़ा फायदा बैंकों को मिलेगा। पहले डिस्प्यूट्स की वजह से सेटलमेंट में देरी होती थी, जो आरबीआई के फाइन का कारण बनती थी। अब अलग साइकल्स से वे क्लीन ट्रांजेक्शंस को प्राथमिकता दें सकते है। अगर आप पेटीएम यूजर हैं, तब एक और खबर है। एनपीसीए ने पुराने पेटीएम यूपीआई आईडी से जुड़े ऑटोपे मंडेट्स को बंद करने की डेडलाइन दो महीने बढ़ा दी है। अब ये 31 अक्टूबर 2025 तक चलेगी। मतलब, आपके रेगुलर बिल पेमेंट्स जैसे लोन ईएमआई या सब्सक्रिप्शंस में अभी कोई जल्दबाजी नहीं। लेकिन उसके बाद नई आईडी पर स्विच करना जरूरी होगा। एनवीसीआई के आंकड़ों के मुताबिक, बीते अगस्त में यूपीआई ने 20 अरब से ज्यादा लेनदेन किए, जिनका कुल मूल्य 24.85 लाख करोड़ रुपये था। यह पहली बार था जब यूपीआई ने एक महीने में 20 अरब लेनदेन का आंकड़ा पार किया।

वाणिज्यिक पंचाटों में लंबित मामलों का बोझ बढ़ा, 24.72 लाख करोड़ फंसे

नई दिल्ली

देश के वाणिज्यिक पंचाटों में लंबित मामलों की संख्या सितंबर 2025 तक बढ़कर 3.56 लाख हो गई है। इनमें फंसी राशि 24.72 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंच गई है, जो भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 7.48 प्रतिशत है। वाणिज्यिक पंचाटों को त्वरित न्याय प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था, लेकिन विधायी और प्रक्रियागत कमियों के कारण उनकी प्रभावशीलता कम हो गई है। उदाहरण के लिए, राष्ट्रीय कंपनी विधिक पंचाट (एनसीएलटी) और राष्ट्रीय कंपनी विधिक अपील पंचाट (एनसीएलएटी) में एक मामले को निपटाने में औसतन 752 दिन लगते हैं, जो वैधानिक समयसीमा 330 दिनों से दोगुना है। एनसीएलटी और एनसीएलएटी के कुल मामले 18,000 से अधिक हैं।

इन पंचाटों में अनुबंध कर्मियों की संख्या अधिक है, एनसीएलटी में 88 फीसदी और एनसीएलएटी में 84.9 फीसदी कर्मी अनुबंध पर हैं।ऋण वसूली पंचाटों (डीआरटी) के पास 2.15 लाख से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 86त्न मामले वैधानिक सीमा से अधिक समय से लंबित हैं। देश के 18 राज्यों में डीआरटी की एक भी पीठ नहीं है। कर पंचाटों में 73,000 से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें लगभग 1.96 लाख करोड़ रुपये फंसे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अभिषेक टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंचे

दुबई भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के साथ ही बड़ी उपलब्धि हासिल की है। अभिषेक अब आईसीसी टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग में नंबर एक स्थान पर पहुंच गये हैं। उनके सबसे अधिक 907 रेटिंग अंक हो गए हैं। इससे वह वह विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव के विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। पाक के खिलाफ सुपर फोर में तेजी से 74 रन बनाने के बाद अभिषेक की रेटिंग तेजी से ऊपर आयी है। टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अब उनके 907 रेटिंग अंक हो गए हैं। इसी के साथ ही इतनी रेटिंग हासिल करने वाले वह तीसरे भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इससे पहले भारत की ओर से सूर्यकुमार यादव ने सबसे अधिक 912 रेटिंग अंक जबकि विराट कोहली ने 909 टी20 रेटिंग अंक हासिल किये थे। अभिषेक ने सुपर फोर में पाक के खिलाफ 24 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया था। अभिषेक टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाक के खिलाफ सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने इस दौरान युवराज सिंह का रिकॉर्ड भी तोड़ा था। युवराज ने भारत-पाकिस्तान टी20 मैच के दौरान 29 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। अभिषेक टी20 में सबसे तेज 50 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज भी हैं।

एशिया कप फाइनल में पहली बार भारत-पाकिस्तान का होगा मुकाबला

रात आठ बज से होगा मुकाबला

दुबई

एशिया कप फाइनल में रविवार को भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच पहली बार मुकाबला होगा। एशिया कप में ये पहली बार होगा जब फाइनल में इन दोनो टीमों में टक्कर हो रही है। इस बार दोनो टीमों के बीच लीग और सुपर फोर में भी मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम जीती थी। अब एक बार फिर दोनों टीमें फाइनल में उतरने जा रही हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार विजेता बनना रहेगा। भारतीय टीम ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में फाइनल में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने एशिया कप 8 बार जीता है जबकि पाकिस्तान ने 2 बार जीता है। भारतीय टीम ने साल 1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में जीत दर्ज की जबकि पाक ने साल 2000 और 2012 में इस टूर्नामेंट को जीता था।

इस बार भारतीय टीम ने सुपर फोर में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराया। भारतीय टीम ने इस बार लीग और सुपर फोर के पहले ही मैच में पाक को एकतरफा अंदाज में हराया था । ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य उसके खिलाफ तीसरी जीत दर्ज करना रहेगा। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में

फाइनल खेला था। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में एशिया कप का फाइनल खेला था। उस संस्करण में पाकिस्तानी टीम उपविजेता रही थी। दूसरी ओर, भारत ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में एशिया कप 2023 के फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर आठवी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था

अगरकर बोले, शमी के नाम पर इसलिए नहीं किया विचार

फिटनेस को लेकर नहीं है कोई जानकारी

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर ने कहा है कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की फिटने को लेकर अभी उन्हें कोई जानकारी नहीं मिली है। इसी कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए उनके नाम पर विचार नहीं किया गया। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई बदलाव किये गये हैं। इसमें करुण नायर और अभिमन्य ईश्वरन को बाहर कर दिया गया है। अगरकर ने मोहम्मद शमी के बाहर होने की वजह बताई है। अगरकर ने कहा है कि उन्हें शमी की फिटनेस को लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है। ये भी उन्हें पता नहीं है कि उन्होंने हाल में कितना क्रिकेट खेला है।

गौरतलब है कि शमी ने अंतिम बार दलीप ट्रॉफी के दौरान टेस्ट क्रिकेट खेला था। पूर्वी क्षेत्र की ओर से वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। शमी ने भारतीय टीम की ओर से अंतिम बार साल 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेला था। अगरकर ने कहा कि इस तेज गेंदबाज ने पिछले कुछ वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा मैच नहीं खेले हैं और उन्हें टीम में वापसी के लिए घरेलू टूर्नामेंट में और अधिक बेहतर प्रदर्शन करना होगा। ऐसे में लग रहा है कि शमी के लिए टेस्ट करियर लगभग खत्म होने के कगार पर है। क्योंकि वह काफी समय से फिटनेस की समस्या से भी परेशान हैं और उनकी उम्र भी 35 के करीब पहुंच गयी है।

2026 एशियाई खेलों में भारतीय फुटबॉल टीम के शामिल होने की संभावना नहीं

नई दिल्ली भारतीय भारतीय फुरुष फुटबॉल टीम को अगले साल जापान में होने वाले एशियाई खेलों में अवसर मिलने की संभावना नहीं है। भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम को एशियाई खेलों में हिस्सा लेने के लिए सरकार से मंजूरी लेनी होती है। वह इसलिए मिलना कठिन है क्योंकि इसमें भाग लेने के लिए मापदंड काफी कठिन हैं और फुटबॉल टीम के उनपर खरा उतरने की संभावन बेहद कम है। खेल मंत्रालय ने इन खेलों के लिए व्यक्तिगत एथलीटों और टीमों की पात्रता के लिए दिशानिर्देश जारी कर दिये हैं। ऐसे में एशिया में 24वें स्थान पर कायम फुटबॉल टीम उन सख्त मानदंडों को पूरा नहीं करती है जिनके अनुसार केवल पदक जीतने की क्षमता रखने वाली टीमों और एथलीटों को ही इस खेल आयोजन में देश का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलता है। खेल मंत्रालय की तरफ से जारी परिपत्र में कहा गया है कि फुटबॉल और हॉकी जैसे टीम खेलों के लिए उन्हीं टीमों को जगह मिलेगी जो एशियाई चैंपियनशिप में शीर्ष आठ में आई हों। गौरतलब है कि एशियाई खेल जापान के आइची-नागोया आयोजित किये जाएंगे। इनका आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूब 2026 तक होना है। टोक्यो 1958 और हिरोशिमा में 1994 के बाद नागोया एशियाई खेलों की मेजबानी करने वाला तीसरा जापानी शहर होगा।

एशिया कप विवाद: हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर गहरा संकट, आईसीसी कर सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई

पिछले रविवार को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ और साहिबजादा फरहान पर भारत के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान आक्रामक व्यवहार और भड़काऊ इशारों के लिए आईसीसी कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को हारिस राउफ पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। वहीं सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को गोलीबारी का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई। भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ इशारों के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस राउफ और साहिबजादा फरहान ने शुक्रवार को आईसीसी की सुनवाई में खुद को निर्दोष बताया।

गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर भड़काऊ इशारे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मामले की जांच शुरू की और शुक्रवार को दोनों खिलाड़ियों की सुनवाई पूरी की। मैच रेफरी रिची रिचर्डसन की देखरेख में हुई सुनवाई के दौरान दोनों खिलाड़ियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया।

दोनों ने लिखित जवाब भी सौंपे। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी जवाबी शिकायत दर्ज कराते हुए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने मैच के बाद राजनीतिक बयान दिया। सूर्यकुमार ने भारत की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था।

हालांकि, सूर्यकुमार ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ श्रद्धांजलि देना था और उन्होंने किसी तरह की राजनीति नहीं की। आईसीसी ने उन्हें चेतावनी देते हुए भविष्य में इस तरह के बयानों से बचने को कहा। गौरतलब है कि इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ही गहरा था, जो इस विवाद से और बढ़ गया है। स्थिति इस हद तक बिगड़ गई कि मैच से पहले टॉस और बाद में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया। अब जबकि आईसीसी का आधिकारिक फैसला सामने आना बाकी है, क्रिकेट से ज्यादा राजनीति और विवाद सुर्खियों में हैं। फाइनल से पहले इस मामले ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट को और गहरा कर दिया है और एशिया कप का रोमांच अब खेल से ज्यादा विवादों में उलझता जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

एशिया कप फाइनल से पहले सैम को बाहर करें: वकार यूनुस

लाहौर पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वकार यूनुस ने भारतीय टीम के खिलाफ रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले से ठीक पहले कहा है कि सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को इस मुकाबले के लिए टीम से बहार कर दिया जाना चाहिये। सैम का प्रदर्शन इस टूर्नाेंट में बेहद खराब रहा है और वह चार मैचों में खाता भी नहीं खेल पाये। छह मैचों में अब तक सैम ने कुल 23 रन बनाये हैं। बांग्लादेश के खिलाफ सुपर 4 मैच में भी वह शून्य पह ही पेवेलियान लौट गये। सैम केवल अपनी गेंदबाजी से टीम में रह रहे हैं। उन्होंने 6 मैचों में अभी तक 8 विकेट लिए हैं। इसके बाद भी वकार उन्हें अंतिम ग्यारस में रखने के पक्ष में नहीं हैं। वकार ने अयूब की खराब बल्लेबाजी पर नाराजगी जतायी। उन्होंने कहा, देखिए, मैंने दूसरी बार पहली ही गेंद पर आउट होने वाले सैम को बाहर करने की बात कही थी। साथ ही कहा कि है। ऐसा नहीं है कि वह प्रतिभाशाली नहीं है। मुझे लगता है कि वह पाकिस्तान क्रिकेट का भविष्य पर अभी वह लय में नहीं है। जब कभी चीजें अपने हिसाब से नहीं जा रही होती हैं तो आप लगातार नीचे, और नीचे चले जाते हैं। यही उसके साथ हो रहा है।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप के लिए आजकल अभ्यास में लगी हुई है। विश्वकप भारत और श्रीलंका के मैदानों में खेला जाएगा।

भारतीय टीम अभ्यास के दौरान सबसे अधिक ध्यान क्षेत्ररक्षण सुधारने पर लगा रही है। इसका कारण है कि टीम का क्षेत्ररक्षण कमजोर है और उसे इस विभाग में सुधार की जरूरत लगी है। अभ्यास सत्र का एक विडियो भी आया है। इसमें टीम वॉर्म-अप की शुरुआत फुटबॉल खेलने से करती दिखी। इसके बाद फिर उसने कैच और थ्रो का अभ्यास किया। अभ्यास सत्र का अधिकतर हिस्सा क्षेत्ररक्षण पर ही केंद्रित था जिसमें खिलाड़ी नजदीक से स्टंप्स पर हिट करती, तेजी से 'पिक और थ्रो' करती दिखीं।

मैच के सामान ही तेजी से गेंद विकेटकीपर को देते दिखीं। हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण काफी कमजोर था इस कारण उसे 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी।

एकदिवसीय विश्व कप गुवाहाटी में भारत और श्रीलंका के बीच मैच 30 सितंबर को होने वाले पहले मैच से शुरू होगा। इसमें दो बार की उप विजेता भारतीय टीम का लक्ष्य अपना पहला खिताब जीतना रहेगा।

सुदर्शन को इस कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया: अगरकर

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समिति के प्रुख अजीत अगरकर ने कहा है कि बल्लेबाज साई सुदर्शन को भविष्य को ध्यान में रखते हुए वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में शामिल नहीं किया गया है। इसमें प्रदर्शन जैसे कोई बात नहीं है। अगरकर के अनुसार सुदर्शन ने अब तक जितना खेला है, उसमें उन्होंने भरोसा जगाया है, इसलिए उन्हें लंबे समय तक अवसर दिए जाने की जरुरत हमें लग रही है।

अगरकर के अनुसार विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन जैसे खिलाड़ियों के संन्यास के बाद टीम को नई प्रतिभा की ज़रूरत है। ऐसे में साई जैसे युवाओं को अवसरों के लिए तैयार करना हमारी पहली प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि इंग्लैंड में कई युवा खिलाड़ियों ने जुझारूपन और अपना कौशल दिखाया है। साई भी उनमें से एक थे और उनके प्रदर्शन ने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा है। अगरकर के अनुसार इसी कारण उन्हें लगातार घरेलू टूर्नामेंटों में जगह मिल रही है

वहीं बल्लेबाज करुण नायर को लेकर अगरकर ने कहा कि इंग्लैंड दौरे पर उनसे काफी उम्मीदें थीं पर वह निरंतरता नहीं दिखा पाये। वहीं उन्होंने कहा कि देवदत्त पडिक्कल को हाल के प्रदर्शन और पिछले अनुभव के आधार पर शामिल किया गया है। भारत और वेस्टइंडीज़ के बीच यह दो मैचों

अब तक 12 बार हुई है भारत-पाक की खिताबी मुकाबले में टक्कर

दुबई एशिया कप में रविवार को होने वाले फाइनल मुकाबले में भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला देखने को मिलेगा। दोनो ही टीमों के बीच ये खिताबी मुकाबले में 13 वहीं टक्कर होगी। दोनो के बीच आठ साल के बाद कोई खिताबी मुकाबला होगा। इससे पहले 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी में दोनो आमने-सामने आई थीं। तब पाक टीम को जीत मिली थी। अप्रैल 1986 में पाकिस्तान ने ऑस्ट्रल-एशिया कप और अक्टूबर 1991 में विल्स ट्रॉफी जीती थी। वहीं अप्रैल 1994 में पाकिस्तान ने एक बार फिर ऑस्ट्रल-एशिया कप पर कब्जा किया। इसके बाद जनवरी 1998 में सिल्वर जुबली इंडिपेंडेंस कप ट्राई सीरीज में दोनों देशों के बीच तीन फाइनल खेले गए, जिसमें भारत ने पहला फाइनल 8 विकेट से जीता। दूसरा फाइनल पाकिस्तान ने 6 विकेट से जीता। इंडिया ने तीसरा फाइनल 3 विकेट से जीता। अप्रैल 1999 में पेप्सी कप के फाइनल में पाकिस्तान ने 123 रन से जीत दर्ज की। अप्रैल 1999 में कोका-कोला कप के फाइनल में भारत को एक बार फिर हार का सामना करना पड़ा। वहीं जून 2008 में किटप्लाई कप के फाइनल में पाकिस्तान ने भारत को 25 रन से हराया, जबकि जून 2017 में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी पाकिस्तान जीता। एकदिवसीय प्रारुप के 11 फाइनल में पाकिस्तान ने 8 जीते हैं, जबकि भारत की टीम सिर्फ 3 ही फाइनल अपने नाम कर सकी। वहीं, टी20 फॉर्मेट में दूसरी बार दोनों देश खिताबी मैच में आमने-सामने होंगे। पहली बार भारत-पाकिस्तान की टीमें टी20 विश्व कप 2007 में उतरीं थी। तब भारतीय टीम ने फाइनल में पाक को हराकर ट्रॉफी जीती थी।

एशिया कप फाइनल में भारत के लिए परेशानी बन सकते हैं हारिस और शाहीन

मुम्बई एशिया कप में रविवार को भारतीय टीम के खिलाफ होने वाले फाइनल से पहले पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस रऊफ और शाहीन अफरीदी ने लय हासिल कर ली है। दोनो ने ही बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर में अच्छी गेंदबाजी की थी। दोनो ने ही इस अहम मुकाबले में 6 विकेट लिए थे। ऐसे में अब इन दोनो से भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा क्योंकि ये दोनो ही भारतीय टीम के लिए खतरा बन सकते हैं। शाहीन और रऊफ इस एशिया कप में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में शीर्ष 5 में शामिल हैं। शाहीन ने में 6 मैचों में 9 विकेट लिए हैं वह हारिस ने 4 मैचों में 9 विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ हारिस ने 6 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलकर नौ विकेट लिए हैं। भारत के खिलाफ हारिस का सर्वश्रेष्ट प्रदर्षन 21 रन देकर 3 विकेट है। वहीं शाहीन का भारत के खिलाफ टी20 में 5 मैचों में 4 विकेट का रिकॉर्ड है। शाहीन ने भारत के खिलाफ एक मैच में 31 रन देकर 3 विकेट लिए हैं।

शिया कप के फाइनल में पहुंचने पर पाक कोच बोले, पिछली हार मायने नहीं रखतीं

दुबई

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कोच माइक हेसन एशिया कप के फाइनल में पहुंचने से उत्साहित हैं। हेसन के अनुसार लीग और सुपर फोर का अब कोई महत्व नहीं रह गया है क्योंकि टीम पहले ही फाइनल में पहुंच गयी है। पाक कोच के अनुसार रविवार को जब दोनो ही टीमें फाइनल में उतरेंगी तो केवल जीत मायने रखेगी। भारतीय टीम ने अब तक पाकिस्तान को ग्रुप स्तर और उसके बाद सुपर-4 में छह विकेट से हराया था। तब भी हेसन ने कहा था कि केवल फाइनल महत्वपूर्ण होता है। उन्होंने कहा, हमने 14 और 21 तारीख को मैच खेले, पर जिस मैच को याद रखा जाएगा वह अब होगा। इसलिए हमारी पूरी ऊर्जा उसी पर होगी। साल 1984 में टूर्नामेंट शुरू होने के बाद से ही पहली बार भारत और पाक एशिया कप के फाइनल में आमने-सामने होंगे। यह अपने आप में बड़ा अवसर है। हेसन का मानना है कि उनकी टीम फाइनल में पहुंच है और अब उसके ऊपर है कि यहां कैसे खेलती है। जगह तक पहुंचने का हक बनाया है। उन्होंने कहा, अब ये हमारे ऊपर है कि हम कैसे अवसर का लाभ उठाते हैं। शुरुआत से ही हम यही बात कर रहे थे कि अपने को ट्रॉफ़ी जीतने की स्थिति में लाना है।

पाकिस्तान टीम कई विवादों में भी घिरी है पर हेसन इस सब प ध्यान नहीं दे रहे। उन्होंने साफ कहा, हमारा ध्यान सिर्फ क्रिकेट पर है। अधिक दबाव वाले मैचों में तनाव होना स्वाभाविक है पर हमारा काम अच्छा क्रिकेट खेलना है। वहीं पाक बल्लेबाज़ों की स्पिन खेलने की क्षमताओं को

लेकर हो रही आलोचनाओं को लेकर उन्होंने कहा कि हर बार गेंद समझन जरूरी नहीं होती। असली बात है सही पोजिशन लेना और पिच से गेंद को खेलना। हालांकि उन्होंने माना कि दबाव में सही फ़ैसला न ले पाना टीम की एक कमजोर रही है। पावरप्ले के बाद की कठिन पिचों पर हालात और भी खराब रहे हैं।

भारत से दो बार हारने के बावजूद हेसन मानते हैं कि फाइनल में परिणाम बदल सकता है पर इसके लिए सही समय पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

एशिया कप के खिताबी मुकाबले के लिए भारतीय टीम को सुधारना हो क्षेत्ररक्षण

दुबई भारतीय क्रिकेट टीम एशिया कप के फाइनल में तो पहुंच गयी है पर 28 सितंबर को होने वाले खिताबी मुकाबले के लिए उसे अपना क्षेत्ररक्षण सुधारना होगा। भारतीय टीम ने अभी तक इस टूर्नोमेंट में सबसे अधिक कैच छोड़े हैं। ऐसे में फाइनल में ये कमजोर दूर न की गयी तो उसे परेशानी का सामन करना पड़ सकता है। भारतीय टीम सबसे पहले एशिया कप के फाइनल में पहुंची है पर जिस प्रकार उसके खिलाड़ियों ने बांग्लादेश के खिलाफ सुपर फोर में पांच कैच छोड़े उससे उसकी खिताबी तैयारियों को भारी झटका लगा है। भारतीय टीम ने इस मैच में कुल 5 कैच छोड़े। इस टूर्नामेंट में किसी टीम ने अभी तक इतने अब तक भारतीय टीम इस टूर्नामेंट में कुल 12 कैच गिराये हैं। ये किसी भी टीम का अब तक का सबसे खराब क्षेत्ररक्षण है।

भारतीय टीम ने अब तक इस टूर्नोमेंट में 12 वहीं हांगकांग ने 11, बांग्लादेश ने 8 , श्रीलंका ने 6 , अफगानिस्तान ने 4, ओमान ने 4 , पाकिस्तान ने 3 जबकि यूएई ने 2 कैच छोड़े हैं। इस प्रकार भारतीय टीम ने अब तक सबसे अधिक कैच छोड़े हैं। हॉगकांग चीन अब दूसरे नंबर पर है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन के तरीकों की सफलता मुख्यतया हानिकारक कीट एवं मित्र कीटों की निगरानी के आधार पर कीट प्रबंधन के विभिन्न घटकों के एकीकरण कर सही निर्णय को लागू करने के ऊपर निर्भर है।

सब्जी उत्पादन में समन्वित कीट प्रबंधन

फसल चक्र अपनाकर कीट नियंत्रण

किसी भी खेत में सब्जियों को लगाते समय उचित फसल-चक्र अपनाना चाहिए जिससे एक ही कुल की सब्जी को पुनः नहीं लगाना चाहिए। इस विधि से निरन्तर जीवन चक्र , अपेक्षाकृत संख्या एवं क्षति स्तर कम किया जा सकता है।

बुवाई व पौध रोपण के समय में परिवर्तन करके- कीटों के प्रति फसल की मुलायम अवस्था को ध्यान में रखकर फसल की बुवाई तथा रोपाई के समय में परिवर्तन करके अधिक हानि से बचाया जा सकता है। सब्जियों की बुवाई व रोपाई के समय में परिवर्तन कर लाल भृंग कीट, फल मक्खी, तना एवं फल छेदक कीट के प्रकोप को कम किया जा सकता है। पौधों की बुवाई व रोपाई ऐसे समय में करना चाहिए, जब पौधों की नाजुक अवस्थाएं एवं हानिकारक कीटों की निष्क्रिय अवस्थाएं समानान्तर हों।

सस्य क्रियाओं द्वारा कीट प्रबंधन

कीट प्रबंधन में इस घटक के ऊपर कोई अतिरिक्त खर्च नहीं होता है, साथ ही यह पर्यावरण को सुरक्षित व अधिक टिकाऊ बनाता है। सस्य क्रियाओं का चयन ऐसा होना चाहिए जिससे नाशीकीटों के ऊपर एकीकृत एवं मित्र कीटों के ऊपर अनुकूल प्रभाव पड़े। इसके अन्तर्गत उचित किस्मों का चयन, बुवाई एवं रोपाई के समय में परिवर्तन, कीट-प्रपंच, फसल चक्र एवं अंतः फसलों का सही चुनाव आदि शामिल है।

अवरोधी एवं सहनशील किस्मों का उपयोग

किसी क्षेत्र के नाशीकीट एवं मित्र कीटों की विविधता एवं सघनता के आधार पर अवरोधी या सहनशील किस्मों का चुनाव समन्वित कीट प्रबंधन की महत्वपूर्ण कड़ी है। इस प्रकार चयनित किस्मों में अपेक्षाकृत कीटों का प्रकोप कम होता है तथा रासायनिक दवाओं के उपयोग में भी कमी आती है। यह विधि सबसे सरल, सस्ती व दुष्प्रभाव रहित है।

ग्रीष्मकालीन जुताई

गर्मी के मौसम में गहरी जुताई करके सुषुप्त अवस्था में पड़े कीड़ों को नष्ट करना एक प्रभावी नियंत्रण विधि है। फसल की कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई करके फल मक्खी, कद्दू का लाल भृंग तथा कटुआ कीट के जीवन चक्र को नष्ट कर उनकी सक्रियता को कम किया जा सकता है।

अन्तः फसलीकरण

सब्जियों की फसल के बीच में अन्तः फसलीकरण की क्रिया के द्वारा भी कीटों के प्रकोप को कम किया जा सकता है। अन्तः फसलीकरण में लगाए गए भिन्न-भिन्न प्रकृति के पौधों द्वारा छोड़े जाने वाले जैव रसायन से कीटों के प्रौढ़ दूर भागते हैं तथा उनके द्वारा अण्डा देने की क्रिया भी कम हो जाती है। इस प्रकार के पौध रोपण प्रक्रिया से परभक्षी एवं परजीवी कीटों की क्रियाशीलता को बढ़ाती है। टमाटर एवं गोभी की अन्तः फसलीकरण से इन दोनों सब्जियों में कीट अकेले की अपेक्षा कम लगते हैं।

कीटों को आकर्षित करने वाली फसलों का उपयोग

मुख्य फसल के साथ ऐसी फसलों को लगाना चाहिए, जिनको कीट मुख्य फसल की अपेक्षा अधिक पसंद करते हैं। आकर्षित करने वाली फसलों को मुख्य फसल में लगाकर बिना किसी रसायन के प्रयोग से मुख्य फसल को आसानी से कम लागत में उगाया जा सकता है। क्योंकि मुख्य फसल पर लगने वाले कीड़े आकर्षक फसलों पर आ जाते हैं, जिनको आसानी से नष्ट किया जा सकता है। गोभीवर्गीय फसलों को हरी सूड़ी एवं पर्ण जालक कीट के नियंत्रण के लिए सरसों का तथा टमाटर में लगने वाली फल छेदक कीट के रोकथाम के लिए गेंदे के फसल को आकर्षक फसल के रूप में प्रयोग करना चाहिए।

सब्जी में जैविक विधि से कीट नियंत्रण

समन्वित कीट प्रबंधन में जैविक नियंत्रण एक प्रमुख घटक है। किसी भी परिस्थिति में मित्र कीट एवं अन्य सूक्ष्म जीव मुख्यतया हानिकारक कीटों की संख्या को प्राकृतिक रूप से सीमित रखने में सहायता करते हैं। जैविक नियंत्रण से इन्हीं कारकों का प्रभावी ढंग से समन्वित कीट प्रबंधन में प्रयोग होता है, तथा मित्र कीटों को सुरक्षित रखने का प्रयास किया जाता है। बहुत सारे परभक्षी व परजीवी कीट प्राकृतिक दशा में मित्र कीट के रूप में पाये जाते हैं, जो हानिकारक कीटों के विभिन्न अवस्थाओं को क्षति पहुंचाते हैं। एक हेक्टेयर टमाटर की फसल को फलछेदक कीट से रोकथाम के लिए 2,50,000 ट्राइकोग्रामा परजीवी कीट का प्रयोग किया जाता है। इसी प्रकार क्राइसोपरला कारनिया नामक परभक्षी कीट को 50,000 प्रति हेक्टेयर की दर से दस दिन के अन्तराल पर तीन बार छोड़ने से सफेद मक्खी, हरा फुदका, माहू आदि से फसल को सुरक्षित रखा जा सकता है। कीटों के प्राकृतिक षत्रु को प्रयोगशाला में अधिक संख्या में उत्पादन कर, उसे सफलतापूर्वक, आवष्यकतानुसार फसलों पर छोड़कर विषैले रसायनों के उपयोग में कमी लायी जा सकती है।

व्यवहारिक नियंत्रण

इस विधि के अन्तर्गत प्रौढ़ कीटों को फेरोमोन का प्रयोग कर भ्रमित किया जाता है। सब्जियों में मुख्य रूप से बैगन का तना व फल बेधक, तम्बाकू की सूंड़ी, टमाटर का फल बेधक एवं फल मक्खी को फेरोमोन द्वारा आकृष्ट कर नियंत्रण किया जा सकता है।

सूक्ष्म जीव द्वारा फसलों की सुरक्षा

सूक्ष्म जीव कीटनाशियों के अन्तर्गत जीवाणु, कवक और विषाणु का प्रयोग करके हानिकारक कीटों में रोग उत्पन्न कर उनका नियंत्रण किया जा सकता है। यह रोग हानिकारक कीड़ों में महामारी की तरह फैलता है जिससे कीड़े मर जाते हैं। सूक्ष्म कीटनाशियों में बी.टी. का प्रयोग व्यवहारिक स्तर पर किया जा रहा है। जिसके प्रयोग से गोभी का हीरक पृष्ठ कीट, भिण्डी का तना एवं फल छेदक कीट, टमाटर का फल बेधक कीटों का नियंत्रण संभव हुआ है।

यांत्रिक विधि से कीटों का नियंत्रण

कुछ कीट जिनको आसानी से देख जा सके उन्हें पकड़कर मार देना चाहिए। हड्डा बीटल, तम्बाकू की सूड़ी के अण्डे तथा तना व फल को भेदकर खाने वाली सूड़ी (बैगन व भिण्डी के फल छेदक कीट) को बहुत आसानी से देखकर कीट की विभिन्न अवस्थाओं को नष्ट कर देने से इनसे होने वाली क्षति से बचा जा सकता है। कीट नियंत्रण की इस विधि में लागत कम आती है एवं यह विधि सुरक्षित भी है।

रसायनों का सुरक्षित एवं आवश्यक मात्रा का प्रयोग

रसायनों का अनियमित और अत्यधिक प्रयोग करने से कीटों में प्रतिरोधी क्षमता का विकास हो जाता है। साथ ही हानिकारक रासायनिक अवशेषों की वातावरण में वृद्धि होती है। समन्वित कीट प्रबंधन में यदि दूसरे कारकों के साथ सही संतुलन बनाकर सुरक्षित रसायनों की सही मात्रा एवं उचित अंतराल पर छिड़काव किया जाय तो कीटनाशी रसायन बहुत प्रभावी होता है। विभिन्न कीटनाशियों का अलग-अलग प्रतीक्षाकाल होता है। इसलिए दवा छिड़कने के बाद प्रतिक्षाकाल के बाद फल की तुड़ाई करने से रासायनिक अवयवों के अवषेष नहीं रहते हैं।

सोयाबीन में बीमारी-कीट का नियंत्रण

बैक्टीरियल पस्च्यूल की समस्या होने पर कासुगेमेसिन 0.2 प्रतिशत, कॉपर आक्सीक्लोराइड 0.2 प्रतिशत, या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 200 पी.पी.एम. का छिड़काव करें।

गेरूआ रोग से बचाव के लिये हेक्जाकोनेजोल 5 ई.सी. या प्रोपाकोनेजोल 5 ई.सी. या ट्राईएडमिफान 25 डब्ल्यू. पी. या कापर आक्सीक्लोराइड 20 ई.सी. रोग के लक्षण दिखते ही तुरंत 0.1 प्रतिशत की दर से 40-45 दिन की फसल होने पर छिड़काव करें। इस छिड़काव से पौधे पूरी तरह भींगने चाहिए तथा 500-700 लीटर पानी प्रति हे. प्रयोग करना चाहिए। आवश्यकतानुसार 15-20 दिन में छिड़काव दोहराना चाहिए।

कीट नियंत्रण

सोयाबीन फसल में कई कीटों का प्रकोप विभिन्न क्षेत्रों में पाया जाता है। इन कीटों में तने की मक्खी व चक्रभृंग (तना छेदक कीट), अर्ध कुन्डलक इल्ली, कम्बल कीट, तम्बाखू की इल्ली, अलसी की इल्ली, चने की फली छेदक (पत्ती भक्षक कीट), एवं सफेद मक्खी, जेसिड्स माइटस् और थ्रिप्स (रस चूसक) प्रमुख हैं।

इनके नियंत्रण के उपाय निम्नलिखित हैं

- फेरोमोन ट्रैप्स लगाने से वयस्क कीट (उड़ने वाले) आकर्षित होकर ट्रैप में गिर जाते हैं जिससे इल्लियों जैसे कीटों का नियंत्रण संभव है।
- तम्बाखू की इल्ली, एवं कम्बल कीट के नियंत्रण के लिये प्रभावित पौधों से अंडगुच्छ एवं लार्वीगुच्छ वाली पत्तियों को एकत्र कर नष्ट कर दें। जब हम खेत का निरीक्षण करते हैं तब कागज की तरह या जालीदार पत्तियां जैसे ही दिखें वहां पत्तियों के नीचे अंड गुच्छ या लार्वीगुच्छ मिल जायेंगे, इस प्रकार की पत्तियों या पूरे पौधे को धीरे से इकट्ठा करें एवं बोरी में डालते जायें तथा अन्त में खेत से बाहर लाकर नष्ट कर दें। जिस जगह पर इस प्रकार की पत्तियाँ मिलें उसके चारों तरफ कीटनाशक का छिड़काव तुरंत करें।

तना छेदक मक्खी एवं सफेद मक्खी

फोरेट 10 जी. दानेदार दवा को 10 कि.ग्रा. प्रति हे. के हिसाब से जुताई के समय मिट्जी में मिला दें। या थायोमेथोक्जाम 70 डब्ल्यू. एस. 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से बोनी पूर्व बीज उपचारित करें।

गर्डल बीटल (चक्रभृंग एवं पत्ती छेदक)

ट्रायजोफास 40 ई.सी. दवा 800 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें। या इंडोक्साकार्ब 14.5 एस.सी., 300 मि.ली. प्रति छिड़काव करें।

पत्ती भक्षक कीट

स्पायनोसेड 45 एस.सी. 125 मि.ली. प्रति हे. या रायनेक्सीपीर 20 एस.सी. 100 मि.ली. प्रति हे. या क्लोरोपायरीफास 20 ई.सी. या क्यूनालफास 25 ई.सी. 1500 मि.ली. प्रति हे. या इंडोक्साकार्ब 15 ई.सी. 300 मि.ली. प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जेसिडस, एफिड, माइट्स

इथियान 50 ई.सी. दवा की 1.5 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

तना मक्खी एवं सफेद मक्खी

थायामेथोक्जाम 25 डब्ल्यू.जी.100 ग्राम प्रति हे. या इथोफेनप्राक्स 10 ई.सी. की 1 लीटर मात्रा प्रति हे. के हिसाब से छिड़काव करें।

जैविक कीटनाशक

- बैवेरिया बेसियाना या बीटी, 1 लीटर प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से पत्ती भक्षक इल्लियों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।
- एच.ए.एन.पी.व्ही. या एस.आई.एन.पी.व्ही. की 250 एल.ई. प्रति हे. की दर से छिड़काव करने से भी पत्ती भक्षक कीटों पर नियंत्रण पाया जा सकता है।

अरहर को कीट-रोग से बचाएं

कीट प्रबन्धन

चने की इल्ली: इल्लियाँ हरे से भूरे रंग की एवं शरीर के किनारों पर हल्की या गहरी लहरदार धारियाँ पाई जाती हैं। इसकी इल्लियाँ प्रारम्भिक अवस्था में पत्तियों को नुकसान पहुँचाती हैं तथा बाद की अवस्था में फल्ली में गोलाकार छेद बनाकर अपना सिर फल्ली में घुसाकर दाने को खाती हैं।

फल्ली मक्खी

इस कीट के वयस्क काले रंग के तथा आकार में घरेलू मक्खी से छोटे होते हैं। इसकी इल्लियाँ दाने में सुरंग बनाकर क्षति पहुँचाती हैं तथा क्षतिग्रस्त दानों में फफूंद का प्रकोप होने से यह खाने लायक नहीं रहती। क्षतिग्रस्त फल्लियाँ सूखकर सिकुड़ जाती हैं।

पोड बग

इस कीट के शिशु एवं वयस्क दोनों फल्ली से रस चूसकर नुकसान पहुँचाते हैं, जिसमें फल्लियों में काले धब्बे बन जाते हैं। हरी फल्लियाँ गिर जाती हैं एवं फल्लियों में दाने सिकुड़े हुये, छोटे एवं कम संख्या में पाये जाते हैं।

रोग प्रबन्धन

उकठा (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम उडम नामक कवक द्वारा होता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में रोग का प्रकोप सर्वाधिक होता है। रोगी पौधा एकाएक पीला पड़कर सूखने लगता है।

रोकथाम के उपाय

रोग से बचने के लिये गर्मी में गहरी जुताई व निरोधक जातियाँ जैसे- सी.-11, जे.ए.-4, आशा, राजीव लोचन आदि लगाना चाहिये।

झुलसा रोग

इस रोग का प्रकोप, जहाँ पानी ठहरता है, वहाँ अधिक होता है। रोग के कारण पत्तियों पर पहले पनीले धब्बे बनते हैं। कॉलर भाग में भूरे विक्षत बनते हैं। विक्षत भाग से पौधा टूट कर सूख जाता है। फसल को मादा कूड़ विधि से लगाये, बीज मादा में बोये। खेत से जल निकास की उचित व्यवस्था करें। निंदाई- गुड़ाई समय पर अवश्य करें तथा अनावश्यक पौधे को निकाल दें ताकि उनका आवागमन अच्छा हो जिससे ज्यादा नमी न रहे। गमी की गहरी जुताई करें और संभव हो तो मिट्टी का सूर्यताप द्वारा मिट्टी का 6-7 सप्ताह के लिए निर्जीवीकृत करे ऐसा करने से मृदा जनित रोगों पर नियंत्रण किया जा सकता है।

ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें

चने की इल्ली व शंखी तेज धूप में मर जाती हैं तथा शिकारी पक्षियों द्वारा खा ली जाती हैं।

- फसल की बोनी जून माह में करने से फल्लीभेदक कीटों के प्रकोप में कमी आती है।
- ज्वार की अन्तवर्तीय फसल के रूप में तथा मक्का की ऊँची किस्म को खेत के बॉर्डर पर उगाएं। ये फसलें प्राकृतिक शत्रुओं के छिपने तथा शिकारी पक्षी उन पर बैठकर बड़ी संख्या में इल्लियों का भक्षण करते हैं।
- गेंदा को ट्रैप फसल के रूप में बॉर्डर पर उगाएँ। इससे चने की इल्ली के प्रकोप में कमी आती है।
- खेतों में चिड़ियों के बैठने हेतु 'टी' आकार की खूँटी 50 नग प्रति हेक्टेयर की दर से लगायें।
- प्रकाश प्रपंच फसल से 10-15 मीटर की दूरी पर लगाएँ तथा सायं 6.30 बजे से रात्रि 10.30 बजे तक चलाएँ।
- चने की इल्ली की निगरानी के लिये पाँच फेरोमोन प्रपंच प्रति हेक्टेयर की दर से बुवाई के 30 दिनों बाद लगाएँ।
- फसल की सतत् निगरानी करते रहें तथा कीटों का आर्थिक स्तर आने पर निम्नलिखित उपाय करें।
- चने की इल्ली: 5 अण्डे या तीन छोटी इल्लियाँ/पौधा या 1 इल्ली/ 5 शाखाओं या 5-6 प्रौढ़/प्रपंच/दिन।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की अंडर-19 टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से करारी हार दी, सीरीज में किया क्लीन स्वीप

ब्रिसबेन (एजेंसी)। वेदांत त्रिवेदी (86) और राहुल कुमार (62) की अर्धशतकीय पारियों के बाद खिलन पटेल (चार विकेट) और उद्धव मोहन (तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत की अंडर-19 टीम ने शुक्रवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में ऑस्ट्रेलिया को 167 रनों से करारी शिकस्त दी। इसी के साथ भारतीय टीम ने तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली।

281 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया की अंडर -19 को पहले ही ओवर में कनिष्क चौहान ने एलेक्स ली यंग (चार) को आउटकर पहला झटका दिया। इसके बाद उद्धव मोहन ने स्टीवन होगन (नौ), कप्तान विल मालाजचुक (15) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाया। टॉम होगन ने एलेक्स टर्नर के साथ चौथे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 20वें ओवर में कनिष्क चौहान ने एलेक्स टर्नर (32) को आउटकर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका दिया।

इसके बाद भारतीय क्षेत्ररक्षकों ने दबाव बनाते हुए टॉम होगन (28) को रन आउट कर दिया। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज अधिक देर नहीं टिक सके और ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम 28.3 ओवर में 113 रन पर ढ़ेर हो गई। ऑस्ट्रेलिया के आठ बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। भारत की ओर से खिलन पटेल ने 7.3 ओवर में 26 रन देकर (चार विकेट) लिये। उद्धव मोहन ने पांच ओवर में 26 रन देकर तीन विकेट झटके। कनिष्क चौहान ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले आज यहां भारत की अंडर-19 टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारत को पहला झटका दूसरे ही ओवर में कप्तान आयुष म्हात्रे (चार) के रूप में लगा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये विहान मल्होत्रा ने वैभव सूर्यवंशी के साथ पारी को आगे बढ़ाया और स्कोर को 36 रन तक ले गये, इसी दौरान चार्ल्स लैचमुंड ने वैभव सूर्यवंशी (16) को अपना शिकार बना लिया। वेदांत त्रिवेदी ने विहान मल्होत्रा के साथ तीसरे विकेट के लिये 69 रन जोड़े। 21वें ओवर में विल मालाजचुक ने विहान मल्होत्रा (40) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आए राहुल मल्होत्रा ने वेदांत त्रिवेदी के साथ चौथे विकेट के लिए 101 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम के लिए बड़े स्कोर की नींव रखी। 38वें ओवर में केसी बार्टर्न ने शतक की ओर बढ़ रहे वेदांत त्रिवेदी को आउट कर पवेलियन भेज दिया। वेदांत त्रिवेदी ने 92 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 86 रनों की पारी खेली। हरवंश पंगालिया (23) पांचवें विकेट के रूप में आउट हुए। राहुल कुमार ने 84 गेंदों में छह चौकों की मदद से 62 रन बनाए।

कनिष्क चौहान (सात), अमब्रिश (एक), दीपेश देवेंद्रन दो रन बनाकर आउट हुये। भारत ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 280 रन का स्कोर बनाया। खिलन पटेल 20 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया अंडर -19 टीम के लिए विल बायरोम, केसी बार्टर्न ने तीन-तीन विकेट लिये। चार्ल्स लैचमुंड, बेन गॉर्डन, विल मलाजचुक ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

चाइना ओपन में कोको गॉफ की विजयी शुरुआत, रूस की राखिमोवा को सीधे सेटों में हराया

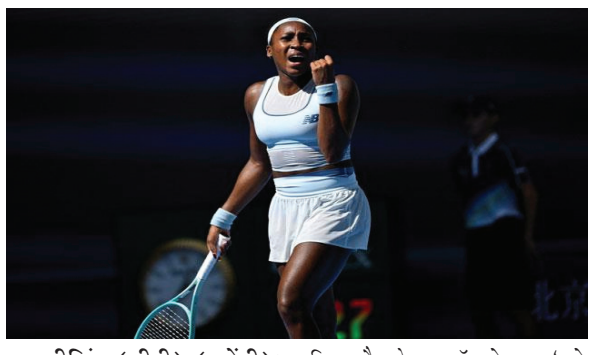

बीजिंग (चीनी) (एजेंसी)। अमेरिका की दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कोको गॉफ ने शुक्रवार को रूस की कामिला राखिमोवा को सीधे सेटों में हराकर चाइना ओपन में अपने खिताब के बचाव के अभियान की शुरुआत की। आज यहां खेले गये मुकाबले में गॉफ ने राखिमोवा को 6-4, 6-0 से हराया। 21 वर्षीय अमेरिकी टेनिस स्टार के लिए पहले सेट में युवा खिलाड़ी के खिलाफ शुरुआत थोड़ी मुश्किल रही, क्योंकि उन्हें चार ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा।

दूसरे सेट की शुरुआत में कुछ और ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, उन्होंने पहले दौर का मुकाबला मात्र 44 मिनट में जीत लिया। मैच के बाद गॉफ ने कहा, 'मुझे उम्मीद थी कि मुकाबला कांटे का होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं और पिछले कुछ टूर्नामेंटों में उन्होंने शीर्ष खिलाड़ियों के साथ कड़ी टक्कर दी है। मैंने अपनी लय पकड़ ली और लय में आ गई।

कोई भी पहला राउंड हारना नहीं चाहता, इसलिए मुझे लगता है कि मैं थोड़ी तनाव में थी, लेकिन मैं खुद को संभालने में कामयाब रही और मुझे लगता है कि इसका असर मेरे स्कोर पर दिखा।% गॉफ का अगला मुकाबला कनाडा की विश्व नंबर 25 खिलाड़ी लेयला फर्नांडीज़ से होगा, जिन्होंने मारिया सक्कारी को 6-2, 6-0 से हराया।

एशिया कप फाइनल में पहली बार भारत-पाकिस्तान का होगा मुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप फाइनल में रविवार को भारत और पाकिस्तान की टीमों के बीच पहली बार मुकाबला होगा। एशिया कप में ये पहली बार होगा जब फाइनल में इन दोनो टीमों में टक्कर हो रही है। इस बार दोनो टीमों के बीच

लीग और सुपर फोर में भी मुकाबला हुआ था जिसमें भारतीय टीम जीती थी। अब एक बार फिर दोनों टीमें फाइनल में उतरने जा रही हैं। भारतीय टीम का लक्ष्य पाकिस्तान को हराकर रिकॉर्ड नौवीं बार विजेता बनना रहेगा। भारतीय टीम ने अभी तक अपने सभी मैच जीते हैं। ऐसे में फाइनल में भी भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम ने एशिया कप 8 बार जीता है जबकि पाकिस्तान ने 2 बार जीता है। भारतीय टीम ने साल 1984, 1988, 1990-91, 1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में जीत दर्ज की जबकि पाक ने साल 2000 और 2012 में इस टूर्नामेंट को जीता था। इस बार भारतीय टीम ने सुपर फोर में बांग्लादेश को 41 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई, वहीं पाकिस्तान ने बांग्लादेश को 11 रन से हराया। भारतीय टीम ने इस बार लीग और सुपर फोर के पहले ही मैच में पाक को एकतरफा अंदाज में हराया था। ऐसे में भारतीय टीम का लक्ष्य उसके खिलाफ तीसरी जीत दर्ज करना रहेगा। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में फाइनल खेला था। पाकिस्तान ने आखिरी बार 2022 में एशिया कप का फाइनल खेला था। उस संस्करण में पाकिस्तानी टीम उपविजेता रही थी। दूसरी ओर, भारत ने कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में एशिया कप 2023 के फाइनल में श्रीलंका को 10 विकेट से हराकर आठवी बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था.

एशिया कप फाइनल : सूर्यकुमार पर बड़ा एक्शन, आईसीसी ने फाइनल से पहले की कार्रवाई

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव को पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप 2025 के सुपर-4 मुकाबले के लिए आचार संहिता उल्लंघन का दोषी पाया गया है। दरअसल 14 सितम्बर को खेले मैच के बाद एक बयान में उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य झड़प का हवाला दिया था।

आईसीसी की आचार संहिता के मुताबिक क्रिकेट से इतर राजनीतिक या संवेदनशील मुद्दों को जोड़कर टिप्पणी करना नियमों के खिलाफ माना जाता है। पाकिस्तान ने सूर्यकुमार के खिलाफ आईसीसी में राजनीतिक टिप्पणी करने का मामला दर्ज कराया था। सूर्यकुमार ने 14 सितंबर को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान पर अपनी टीम की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। पहलगाम पीड़ितों

के प्रति एकजुटता दिखाने के लिए टॉस के समय और मैच के बाद भारत द्वारा पाकिस्तानी खिलाड़ियों से पारंपरिक हाथ मिलाने से इनकार करने के बाद से दोनों पक्षों के बीच तनाव चरम पर है।

30 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना

मैच रेफरी ने जांच के बाद सूर्यकुमार यादव पर उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया। हालांकि यह एक लेवल-1 अपराध माना गया है, इसलिए किसी तरह का बैन या निलंबन नहीं लगाया गया। भारतीय कप्तान की सुनवाई आईसीसी मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने की। सूर्यकुमार ने आरोप हालांकि से इनकार किया और उन्हें टूर्नामेंट के बाकी मैचों में ऐसा कोई बयान नहीं देने को कहा गया जिसे राजनीतिक माना जा सके।

आचार संहिता के तहत मामला

आईसीसी की आचार संहिता खिलाड़ियों को मैदान के अंदर और बाहर दोनों जगह ऐसी टिप्पणियों से बचने की सलाह देती है, जो किसी राष्ट्र, धर्म या राजनीतिक विवाद को छूती हों। सूर्यकुमार यादव ने फैसले को स्वीकार कर लिया है इसलिए अब किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं होगी।

हारिस रऊफ पर भी लगा जुर्माना

वहीं भारत के खिलाफ मैच एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान पाकिस्तान के साहिबजादा फरहान को गोली चलाने का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई है। इसी के साथ ही हारिस रऊफ पर अभिषेक शर्मा के साथ आक्रामक व्यवहार के लिए उनकी मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है।

एकदिवसीय विश्वकप के लिए अभ्यास कर रही भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 30 सितंबर से शुरु हो रहे एकदिवसीय विश्वकप के लिए आजकल अभ्यास में लगी हुई है। विश्वकप भारत और श्रीलंका के मैदानों में खेला जाएगा। भारतीय टीम अभ्यास के दौरान सबसे अधिक ध्यान क्षेत्ररक्षण सुधारने पर लगा रही है। इसका कारण है कि टीम का क्षेत्ररक्षण कमजोर है और उसे इस विभाग में सुधार की जरूरत लगी है। अभ्यास सत्र का एक विडियो भी आया है। इसमें टीम वॉर्म-अप की शुरुआत फुटबॉल खेलने से करती दिखी। इसके बाद फिर उसने कैच और थ्रो का अभ्यास किया। अभ्यास सत्र का अधिकतर हिस्सा क्षेत्ररक्षण पर ही केंद्रित था जिसमें खिलाड़ी नजदीक से स्टंप्स पर हिट करती, तेजी से 'पिक और थ्रो' करती दिखीं। मैच के सामान ही तेजी से गेंद विकेटकीपर को देते दिखीं। हाल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण काफी कमजोर था इस कारण उसे 1-2 से हार झेलनी पड़ी थी। एकदिवसीय विश्व कप गुवाहाटी में भारत और श्रीलंका के बीच मैच 30 सितंबर को होने वाले पहले मैच से शुरू होगा। इसमें दो बार की उप विजेता भारतीय टीम का लक्ष्य अपना पहला खिताब जीतना रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए फिटनेस हासिल करने में लगे हैं रोहित, 10 किलो वजन घटाया

मुम्बई। भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा आजकल ऑस्ट्रेलिया दौरे की तैयारियों में लगे हैं। रोहित इसी कारण फटनेस बेहतर बनाने में लगे हुए हैं। पिछले कुछ समय में बढ़ते हुए वजन को लेकर उठते हुए सवालों के कारण रोहित ने अपनी वजन भी 10 किलों घटा लिया है। भारतीय टीम अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। इस दौरे में रोहित के प्रशंसकों को उन्हें देखने का अवसर मिलेगा। रोहित चैम्पियंस ट्रॉफी से ही खेल से दूर हैं। ऐसे में प्रशंसक उन्हें लंबे समय के बाद किसी अंतरराष्ट्रीय मैच को खेलते हुए देखेंगे। रोहित अब केवल एकदिवसीय प्रारुप में ही खेलते हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य ऑस्ट्रेलिा दौरे में बेहतर प्रदर्शन कर एकदिवसीय विश्वकप 2027 के लिए टीम में जगह बनाये रखना रहेगा। इस दौरान बढ़ती उम्र में फिटनेस बनाये रखना उनके लिए सबसे कठिन होगा। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाजी कोच अभिषेक नायर ने रोहित के नये लुक की तस्वीर साझा करते हुए लिखा है कि उन्होंने आना वजन 10 किलोग्राम कम किया है। उन्होंने रोहित के अभ्यास सत्र की एक तस्वीर भी साझा करते हुए लिखा है कि दस किलो वजन कम करने के बाद भी काम में लगे हुए हैं। गौरतब है कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज अगले महीने 19 अक्टूबर से शुरु होगी। इसके साथ करीब सात माह के बाद रोहित एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखाई देंगे। वह पिछली बार मार्च में आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलते हुए दिखाई दिए थे। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल उनका आखिरी मैच था।

शोएब अख्तर ने एशिया कप फाइनल से पहले पाकिस्तान टीम को दिया जीत का फॉर्मूला

स्पोर्ट्स डेस्क। एशिया कप 2025 का महामुकाबला तय हो चुका है। भारत और पाकिस्तान तीसरी बार आमने-सामने होंगे, लेकिन इस बार दांव कहीं ज्यादा बड़ा है ट्रॉफी का। भारत दोनों पिछली भिड़ंत में बाज़ी मार चुका है, जबकि पाकिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर शानदार अंदाज़ में फाइनल का टिकट कटाया। ऐसे माहौल में पाकिस्तान के दिग्गज तेज़ गेंदबाज शोएब अख्तर ने अपनी टीम को खास सलाह दी है।

पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी

रावलपिंडी एक्सप्रेस शोएब अख्तर ने 'गेम ऑन है' शो में कहा कि पाकिस्तान को मानसिकता बदलनी होगी। अख्तर का मानना है कि भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा पाकिस्तानी टीम पर असर डालता है और इसे तोड़ना ही सबसे बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने कहा, 'इस मानसिकता से बाहर निकलो, उनके आभामंडल को किनारे रखो। बस उनके

आभामंडल को तोड़ दो। वही रवैया अपनाओ जो बांग्लादेश के खिलाफ दिखाया था। तुम्हें 20 ओवर बस निकालने नहीं हैं, तुम्हें विकेट लेने हैं।'

अभिषेक शर्मा पर नजर

रणनीति के तौर पर अख्तर ने साफ कहा कि पाकिस्तान को भारत के युवा ओपनर अभिषेक शर्मा पर फोकस करना होगा। अख्तर के मुताबिक अभिषेक को जल्दी आउट कर दिया गया तो भारत दबाव में आ जाएगा और पाकिस्तानी गेंदबाजों के लिए मौके खुलेंगे। उन्होंने कहा, 'मेरी बात याद रखना, अगर अभिषेक शर्मा पहले दो ओवरों में आउट हो गए तो भारत मुश्किल में पड़ जाएगा। उन्हें शुरुआती बढ़त वही देता है। हां, वह गलत टाइमिंग करेंगे, बस आपको पूरा दम लगाना होगा।'

भारत पाकिस्तान के खिलाफ अलग खेलता है

गंभीर के अनुभव साझा करते हुए अख्तर ने कहा, 'मैं गौतम गंभीर को जानता हूं। वह अपनी टीम से हमेशा कहते हैं, पाकिस्तान के खिलाफ अपना सर्वश्रेष्ठ दो। पाकिस्तान चाहे लीग स्टेज में ढीला खेले, लेकिन जैसे ही फाइनल आता है, वो सबसे अच्छा क्रिकेट खेलता है। हमारे साथ पहले भी ऐसा कई बार हुआ है।'

फाइनल से पहले का माहौल

भारत फाइनल में बड़े दावेदार के तौर पर उतर रहा है, लेकिन पाकिस्तान की जीत के लिए शाहीन अफरीदी की गेंदबाजी और बल्लेबाज़ी के साथ टीम की आत्मविश्वास भरी मानसिकता अहम होगी। शोएब अख्तर के संदेश ने साफ कर दिया है कि यह मैच सिर्फ कौशल नहीं, बल्कि दिमाग और हिम्मत का भी इम्तिहान होगा।

भारी बारिश के कारण अंतिम दिन का खेल रद्द, जमाल हुसैन ने जीता गोलकोंडा मास्टर्स का खिताब

हैदराबाद। बांग्लादेश के जमाल हुसैन को शुक्रवार को हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन (HGA) में भारी बारिश के कारण अंतिम राउंड रद्द होने के बाद 1 करोड़ रुपए की एनएसएल लक्स प्रेजेंट्स तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स 2025 का विजेता घोषित किया गया। टूर्नामेंट का परिणाम 54 होल के बाद कुल स्कोर के आधार पर घोषित किया गया क्योंकि खराब मौसम के कारण चौथे राउंड में कोई खेल संभव नहीं था। जमाल हुसैन (61-62-64), जिन्होंने 54 होल के अपने 23-अंडर 187 के स्कोर की बदौलत तीसरे राउंड के बाद चार शॉट से बढ़त बनाई, ने इस तरह अपना छठा और पिछले साल नवंबर के बाद पहला खिताब जीता। परिणामस्वरूप, ढाका के 40 वर्षीय खिलाड़ी ने 15 लाख रुपये की विजयी राशि प्राप्त की, जिससे वह 2025 पीजीटीआई ऑर्डर ऑफ मेरिट में 14वें स्थान से 10वें स्थान पर पहुंच गए। चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (62-64-65) ने तीन राउंड के बाद 19-अंडर 291 का कुल स्कोर बनाकर उपविजेता स्थान प्राप्त किया। अक्षय ने 10 लाख रुपये का चेक प्राप्त किया और पीजीटीआई की मेरिट सूची में 34वें स्थान से 21वें स्थान पर पहुंच गए। बेंगलुरू के खलिन जोशी (65-66-66) ने 13-अंडर 197 के कुल स्कोर के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

टीम इंडिया ए ने रचा इतिहास, केएल राहुल और साई सुदर्शन ने ठोके शतक

लखनऊ। इंडिया ए टीम ने ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 5 विकेट से जीत दर्ज की है। 412 रन के लक्ष्य को चेज कर भारतीय टीम ने इतिहास रच दिया। इससे पहले टीम ए टेस्ट क्रिकेट इतिहास में किसी भी टीम ने ऐसा कमाल नहीं किया। भारत के इस रिकॉर्ड रन चेज में दो बल्लेबाजों ने शतकीय पारी खेली। दरअसल, टीम ए टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी टीम ने 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज किया हो। इससे पहले किसी भी टीम ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में 400 से ज्यादा रनों का टारगेट चेज नहीं किया था। भारत के इस रिकॉर्ड रन में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने अहम भूमिका निभाई।

भारत ने चेज किया 412 रन का टारगेट- मैच में इंडिया ए के सामने जीत के लिए 412 रनों का टारगेट था। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंडिया ए को इस मैच में बेहतरीन शुरुआत मिली। एन जगदीशन और केएल राहुल के बीच पहले विकेट के लिए 176 रन की पार्टनरशिप हुई। एन जगदीशन 36 रन बनाकर आउट हुए जिसके बाद केएल राहुल रिटायर्ड हर्ट होकर पवेलियन लौटे।

वहीं चौथे दिन केएल राहुल ने फिर से बल्लेबाजी की और 176 रन बनाकर नाबाद लौटे। अपनी इस पारी में उन्होंने 16 चौके और 4 छक्के लगाए। वहीं साई सुदर्शन ने भी बेहतरीन शतक जड़ा। वह 172 गेंद में 100 रन बनाकर आउट हुए। कप्तान ध्रुव जुरेल ने 66 गेंद में 56 रनों की पारी खेली। नितीश कुमार रेड्डी 16 रन बनाकर नाबाद लौटे। राहुल को प्लेयर ऑफ द मैच से नवाजा गया।

इरफान पठान ने पाक सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर सवाल उठाये

दुबई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज सैम अयूब को टीम में जगह मिलने पर ही सवाल खड़े कर दिये हैं। पठान ने कहा कि बेहद खराब बल्लेबाजी के बाद भी सैम को गेंदबाजी के तौर पर टीम को जगह मिलना हैरानी की बात है। पठान ने कहा कि सैम ने अब तक के पांच मैचों में केवल 23 रन बनाये हैं और वह चार बार शून्य पर ही आउट हुए हैं। अगर ऐसा प्रदर्शन किसी अन्य देश में होता तो करियर ही समाप्त हो जाता पर सैम कैसे टीम में बने हुए हैं, समझ नहीं आ रहा। सैम अयूब एशिया कप में बल्लेबाज के तौर पर फ्लाप रहे हैं। वह भारत के खिलाफ सुपर 4 के पहले मैच में 21 रन जबकि श्रीलंका के खिलाफ 2 रन ही बना पाये। बाकि के मैचों में शून्य पर आउट हुए। सैम अयूब के

बांग्लादेश के खिलाफ सुपर सिक्स मैच में शून्य पर आउट होने के बाद पठान ने कमेंट्री के दौरान करा, अगर ऐसा प्रदर्शन किसी और देश के लिए होता तो करियर कब का खत्म हो जाता। इस बल्लेबाज ने 6 मैच खेलने के बाद केवल 23 रन बनाए हैं ये सोचने वाली बात है कि एक टीम का ओपनर जिसे रन बनाने के इतने मौके मिलते है, वही उसमें विफ रहता है। उसे अगर गेंदबाजी की वजह से अंतिम ग्यारह में जगह मिल रही है तो पारी की शुरुआत कोई और करे क्योंकि सलामी बल्लेबाज के शीघ्र आउट होने से टीम पर अनावश्यक दबाव आता है।

एशिया कप विवाद- हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर गहरा संकट, आईसीसी कर सकती है बड़ी कार्रवाई

दुबई (एजेंसी)। पिछले रविवार को पाकिस्तान के तेज गेंदबाज हारिस राउफ और साहिबजादा फरहान पर भारत के खिलाफ एशिया कप सुपर 4 मैच के दौरान आक्रामक व्यवहार और भड़काऊ इशारों के लिए आईसीसी कार्यवाही करते हुए शुक्रवार को हारिस राउफ पर मैच फीस का 30 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। वहीं सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को गोलीबारी का इशारा करके जश्न मनाने के लिए चेतावनी दी गई। भारत के खिलाफ एशिया कप मैच के दौरान कथित तौर पर भड़काऊ इशारों के लिए पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस राउफ और साहिबजादा फरहान ने शुक्रवार को आईसीसी की सुनवाई में खुद को निर्दोष बताया।

गौरतलब है कि एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच खेले गए मुकाबले के दौरान हुआ विवाद अब गंभीर रूप ले चुका है। पाकिस्तानी क्रिकेटरों हारिस रऊफ और साहिबजादा फरहान पर भड़काऊ इशारे और अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने के आरोप लगे हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की शिकायत के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मामले की जांच शुरू की और शुक्रवार को दोनों खिलाड़ियों की सुनवाई पूरी की।

मैच रेफरी रिची रिचर्डसन की देखरेख में हुई सुनवाई के दौरान दोनों खिलाड़ियों को अपना पक्ष रखने का मौका दिया गया। दोनों ने लिखित जवाब भी सौंपे। इस बीच पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी जवाबी शिकायत दर्ज कराते हुए भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने मैच के बाद राजनीतिक बयान दिया। सूर्यकुमार ने भारत की जीत को पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों और भारतीय सशस्त्र बलों को समर्पित किया था। हालांकि, सूर्यकुमार ने साफ कहा कि उनका उद्देश्य सिर्फ श्रद्धांजलि देना था और उन्होंने किसी तरह की राजनीति नहीं की। आईसीसी ने उन्हें चेतावनी देते हुए भविष्य में इस तरह के बयानों से बचने को कहा।

गौरतलब है कि इस साल अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोग मारे गए थे। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों को ध्वस्त करने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' चलाया था। यही वजह है कि दोनों देशों के बीच तनाव पहले से ही गहरा था, जो इस विवाद से और बढ़ गया है। स्थिति इस हद तक बिगड़ गई कि मैच से पहले टॉस और बाद में भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तानी

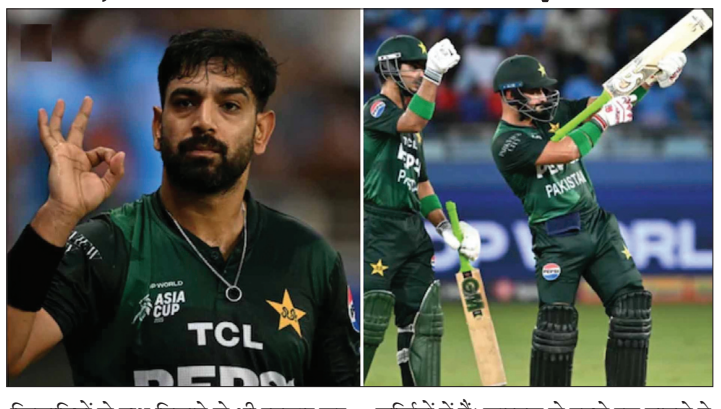

खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से भी इनकार कर दिया। अब जबकि आईसीसी का आधिकारिक फैसला सामने आना बाकी है, क्रिकेट से ज्यादा राजनीति और विवाद सुर्खियों में हैं। फाइनल से पहले इस मामले ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट को और गहरा कर दिया है और एशिया कप का रोमांच अब खेल से ज्यादा विवादों में उलझता जा रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जुबीन की मौत मामले में एसआईटी ने शेखर ज्योति को किया गिरफ्तार

मैनेजर सिद्धार्थ के घर छापा, घर से क्या मिला इसकी नहीं मिली जानकारी

मुंबई

मशहूर असमिया सिंगर जुबीन गर्ग की मौत मामले में असम पुलिस की स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) ने 25 सितंबर को संगीतकार शेखर ज्योति गोस्वामी को गिरफ्तार किया है। गोस्वामी उस ग्रुप का हिस्सा थे जो जुबीन के साथ सिंगापुर में यॉट ट्रिप पर गए थे। वहीं पर जुबीन की मौत हो गई थी। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि शेखर ज्योति गुरुवार सुबह पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया था और इसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया हालांकि अभी तक यह पता नहीं चला है कि उनके खिलाफ क्या आरोप हैं और क्या चार्जेस लगाए गए हैं। यह भी साफ नहीं हो सका है कि औपचारिक आरोप दर्ज किए जाएंगे या नहीं और गोस्वामी का जुबीन गर्ग के साथ क्या रिश्ता था।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक शेखर ज्योति गोस्वामी को जुबीन गर्ग का करीबी सहयोगी बताया है। कुछ का कहना है कि वह उनके बैंड में ड्रमर थे। पुलिस ने अभी तक इस घटनाक्रम पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। यह गिरफ़्तारी ऐसे समय में हुई है जब एसआईटी सिंगर जुबीन की मौत की जांच कर रही है। शेखर ज्योति गोस्वामी के अलावा बिजनेसमैन और कल्चरल वर्कर श्यामकानु महंता भी एसआईटी की जांच के घेरे में हैं। अधिकारियों के मुताबिक सिंगापुर असम असोसिएशन के कुछ सदस्यों को भी हिरासत में लिया जा सकता है। जुबीन के मैनेजर सिद्धार्थ शर्मा के घर भी छापेमारी की गई लेकिन एसआईटी ने यह नहीं बताया है कि उनके घर से क्या मिला या जुबीन की मौत में उनका क्या रोल है।

उत्तर भारत के राज्यों से लौट रहा मानसून दक्षिणी राज्यों में सक्रिय

महाराष्ट्र, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली

उत्तर भारत के राज्यों से लौट रहा मानसून दक्षिणी राज्यों में सक्रिय हो गया है। मौसम विभाग ने शुक्रवार को महाराष्ट्र, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पाथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। तिरुवनंतपुरम में स्कूल-कॉलेज बंद हैं।

हैदराबाद में खराब मौसम के कारण तीन फ्लाइट को डायवर्ट किया गया है। तमिलनाडु के कन्याकुमारी में भी भारी बारिश के कारण स्कूल-कॉलेज बंद हैं। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर सिस्टम से 28 सितंबर तक महाराष्ट्र और ओडिशा के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। ओडिशा में 18 जिले हाई अलर्ट पर हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में मानसून विदा हो चुका है। गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों से अभी मानसून बाकी है। मध्यप्रदेश से अगले 48 घंटों में मानसून विदा हो जाएगा। मानसून के महाराष्ट्र से 5 अक्टूबर से पहले लौटने की उम्मीद नहीं है।

बिहार के 13 जिलों में शुक्रवार को बारिश का यलो अलर्ट है। मौसम विभाग के मुताबिक बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। यलो अलर्ट वाले जिलों में अगले दो दिनों तक रुक-रुककर तेज बारिश हो सकती है। इस दौरान 40 किमी की रफ्तार से हवा चलेंगी। बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर एरिया सक्रिय है, जिसका असर बिहार के ऊपर पड़ रहा है। यही कारण है कि राज्य के कई हिस्सों में बारिश जारी है।

वहीं राजस्थान में बारिश का दौर थमने के साथ ही अब रात में ठंडक बढ़ने लगी है।

राज्य में सिरोही के बाद दौसा में भी न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। नागौर, पाली समेत अन्य शहरों में भी रात का तापमान 23 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हो रहा है। इधर जयपुर, पिलानी, गंगानगर समेत कई शहरों में दिन में गर्मी तेज होने लगी है।

यूपी के पश्चिमी हिस्से से मानसून की बुधवार को विदाई हो

गई। विभाग की मानें तो प्रदेश के बाकी बचे हिस्से से भी मानसून जल्द ही विदा ले लेगा। इस मौसमी बदलाव के बीच बंगाल की खाड़ी में हो रही हलचल के असर से अगले 28 सितंबर तक छिटपुट बूंदाबांदी की संभावना है। बंगाल की खाड़ी में बना लो प्रेशर एरिया एक बार फिर एक्टिव हो गया है। इसका असर झारखंड पर भी दिखेगा। मौसम विभाग ने 26 सितंबर से एक अक्टूबर तक कई क्षेत्रों में बारिश होने की संभावना जताई है।

बाबरी मस्जिद निर्माण के बयान पर मचे बवाल पर पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने दी सफाई

कहा- लोग जवाब के एक हिस्से को दूसरे से जोड़ देते हैं जिससे संदर्भ हट जाता है

नई दिल्ली

अयोध्या राम मंदिर मामले में हालिया बयान पर पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने सफाई दी है। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि बाबरी मस्जिद का निर्माण बुनियादी तौर पर अपवित्र कार्य था, जिसके बाद विवाद खड़ा हो गया था। अब अपनी सफाई में पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा है कि उनके बयान को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

बता दें एक इंटरव्यू में पूर्व सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ से जब सवाल किया गया कि क्या अपवित्र करने को लेकर हिंदू पक्ष जिम्मेदार था, जैसे कि मूर्ति रखना। इस पर रिटायर्ड सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि मस्जिद का निर्माण ही बुनियादी रूप में अपवित्र कार्य था। चंद्रचूड़ के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर बवाल मच गया था। अब उन्होंने अपने इस बयान को स्पष्ट किया है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए जस्टिस उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर जो हो रहा है वह यह है कि लोग जवाब के एक हिस्से को उठाकर दूसरे हिस्से के साथ जोड़ देते हैं, जिससे संदर्भ पूरी तरह से हट जाता है।

उन्होंने साफ कहा कि अयोध्या मामले का फैसला आस्था के आधार पर नहीं, बल्कि साक्ष्य और कानूनी सिद्धांतों के आधार पर हुआ था। पूर्व सीजेआई ने कहा कि फैसला 1,045 पन्नों का था क्योंकि मामले का रिकॉर्ड 30,000 पृष्ठों से ज्यादा का था। इसकी आलोचना करने वालों ने फैसला नहीं पढ़ा है। पूरा दस्तावेज पढ़े बिना सोशल मीडिया पर अपनी राय पोस्ट करना आसान है। इंटरव्यू में पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने यह भी बताया कि फैसले में कोर्ट को पुरातात्विक साक्ष्य मिले कि मस्जिद के नीचे एक मंदिर था, जिसे मस्जिद बनाने के लिए तोड़ दिया गया था।

उन्होंने कहा कि अब जब आप स्वीकार करते हैं कि इतिहास में ऐसा हुआ था और हमारे पास पुरातात्विक साक्ष्य के रूप में सबूत मौजूद हैं, तो आप अपनी आंखें कैसे बंद कर सकते हैं? तो इनमें से कई टिप्पणीकार, जिनका आपने जिक्र किया है, वास्तव में इतिहास के बारे में एक चयनात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, इतिहास में एक निश्चित अवधि के बाद जो कुछ हुआ उसके साक्ष्यों को नजरअंदाज करते हैं और ऐसे साक्ष्यों को देखना शुरू करते हैं जो ज्यादा तुलनात्मक हैं। चंद्रचूड़ तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ के सदस्य थे, जिसने नवंबर 2019 में अयोध्या में विवादित स्थल पर मंदिर बनाने के पक्ष में फैसला सुनाया था। साथ ही मस्जिद निर्माण के लिए पांच एकड़ जमीन देने का निर्देश दिया था।

बिहार में राष्ट्रपति शासन?

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव से ठीक पहले राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी के लिए बिहार का चुनाव चुनौती पूर्ण हो गया है। सीबीआई के पूर्व निदेशक एम. नागेश्वर राव ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। राव ने अपने पत्र में कहा है, प्रधानमंत्री ने बिहार की 75 लाख महिलाओं के खाते में 10,000 करोड़ रुपये ट्रांसफर किए हैं। प्रधानमंत्री का यह कार्य चुनावी रिश्वत की श्रेणी में आता है।

राव,1986 बैच के ओएसडी कैडर के आईपीएस अधिकारी हैं।वह सीबीआई प्रमुख रह चुके हैं। उन्होने आरोप लगाया है,यह जनता के पैसे का दुरुपयोग है। इसका मकसद बिहार विधानसभा चुनाव को प्रभावित करना है। यह संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का खिलवाड़ है। उन्होंने चुनाव आयोग से मांग की है, चुनाव आयोग तुरंत हस्तक्षेप करे। अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी निभाते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की सिफारिश राष्ट्रपति से करे।

पत्र में राव ने लिखा है कि चुनाव आयोग को चाहिए, बिहार विधानसभा का कार्यकाल पूरा होते ही, वहां पर राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया जाए। कम से कम छह महीने के लिए चुनाव स्थगित किए जाएं। आवश्यक होने पर चुनाव आयोग सुप्रीम कोर्ट से चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए हस्तक्षेप करने की मांग करे।

इस पत्र के सार्वजनिक होते ही राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। विपक्ष ने सरकार के चुनावी ÷लाभ बांटने÷ की रणनीति बताया है। भाजपा इस पर फिलहाल चुप्पी साधे हुए है। चुनाव आयोग ने आधिकारिक तौर पर पत्र पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

राव का कहना है, बिहार में चुनाव के पहले महिलाओं को इतनी बड़ी आर्थिक सहायता सरकारी खजाने से पहुंचना लोकतंत्र की बुनियाद को हिलाने जैसा है। सत्ता पक्ष खुलेआम सरकारी खजाने के पैसे का इस्तेमाल मतदाताओं को प्रभावित करने के लिए करेगा।

बिहार की सियासत में यह पत्र डायरेक्ट हिट साबित हुआ है। अब निगाहें चुनाव आयोग पर टिक गई हैं। बिहार में जिस तरह से वोट चोरी के आरोपों को लेकर राजनीतिक फिजा बदली है। रही सही कसर जन स्वराज पार्टी के प्रशांत किशोर पूरे कर रहे हैं उन्होंने सम्राट चौधरी अशोक चौधरी और अन्य नेताओं के ऊपर भ्रष्टाचार के सप्रमाण आरोप लगाए हैं इससे एनडीए की स्थिति काफी कमजोर हुई है नेपाल में जिस तरह से सत्ता परिवर्तन हुआ है। उसके बाद बिहार के युवा और छात्र सड़कों पर हैं। इस स्थिति को देखते हुए बिहार में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के लिए केंद्र सरकार ने स्वयं पहल की है एम नागेश्वर राव के केरियर को लेकर तरह-तरह की बात हो रही है। उनका चुनाव आयोग को पत्र लिखना एक संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। जिस तरह की स्थितियां अभी बनी हुई हैं उसमें चुनाव आयोग कटघरे में खड़ा हुआ है एसआईआर को लेकर चुनाव आयोग की विश्वसनीयता घटी है। मतदाता सूची को लेकर अभी भी बवाल मचा हुआ है ऐसी स्थिति में बिहार के चुनाव टलना लगभग तय माना जा रहा है एक सुनयोजित रणनीति के तहत ही यह पत्र चुनाव आयोग को भेजा गया है। सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से सरकार स्वयं चाहती है, बिहार में राष्ट्रपति शासन लग जाए।

ट्रंप के फार्मा उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ का भारत के निर्यात पर नहीं होगा असर

नई दिल्ली अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से फार्मा उत्पादों के आयात पर 100 प्रतिशत टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात पर कुछ खास असर नहीं होगा। यह जानकारी जानकारी की ओर से दी गई। फार्मास्यूटिकल्स एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल ऑफ इंडिया (फार्मेक्सिल) के चेयरमैन नमित जोशी ने कहा, ब्रांडेड और पेटेंटेड फार्मास्यूटिकल्स आयात पर प्रस्तावित 100 प्रतिशत टैरिफ का भारतीय निर्यात पर तत्काल प्रभाव पड़ने की संभावना नहीं है, क्योंकि हमारे निर्यात का अधिकांश हिस्सा जेनेरिक दवाओं से आता है, जबकि अधिकांश बड़ी भारतीय कंपनियां पहले से ही अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग या रीपैकेजिंग इकाइयां संचालित कर रही हैं। इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, कार्यकारी आदेश अमेरिका को आपूर्ति होने वाले पेटेंट/ब्रांडेड उत्पादों पर लागू होता है। यह जेनेरिक दवाओं पर लागू नहीं होता। वर्तमान में, भारत अमेरिका में इस्तेमाल होने वाली 45 प्रतिशत से अधिक जेनेरिक और 15 प्रतिशत बायोसिमिलर दवाओं की आपूर्ति करता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा दवा निर्यात बाजार है। फार्मेक्सिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में भारत के 27.9 अरब डॉलर मूल्य के दवा निर्यात में से 31 प्रतिशत या 8.7 अरब डॉलर (7,72,31 करोड़ रुपए) अमेरिका को किया गया था। 2025 की पहली छमाही में ही 3.7 अरब डॉलर (32,505 करोड़ रुपए) मूल्य के दवा उत्पादों का निर्यात किया गया। एआईएमईडी के फोरम कोऑर्डिनेटर राजीव नाथ ने कहा, उम्मीद है कि दवाओं पर टैरिफ के इस नए दौर का चिकित्सा उपकरणों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। अमेरिकी प्रशासन की नई घोषणा के बाद, दवा कंपनियों के शेयरों में 5 प्रतिशत तक की भारी गिरावट आई। सन फार्मा, बायोकॉन, जाइडस लाइफसाइंसेज, अरबिंदो फार्मा, डॉ. रेड्डीज, ल्यूपिन, सिप्ला और टोरेंट फार्मा जैसी प्रमुख दवा कंपनियों के शेयर लाल निशान में थे।

सलमान रुश्दी की द सैटनिक वर्सेज पर नहीं लगेगी रोक, सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की याचिका

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सलमान रुश्दी के विवादास्पद उपन्यास 'द सैटेनिक वर्सेज' पर प्रतिबंध लगाने के निर्देश देने का अनुरोध करने वाली याचिका पर विचार करने से मना किया। यह याचिका जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ के सामने सुनवाई को लेकर आई थी। याचिकाकर्ताओं की ओर से पेश वकील ने दिल्ली हाई कोर्ट के बीते साल नवंबर के आदेश का हवाला दिया। हाई कोर्ट ने 1988 में राजीव गांधी सरकार द्वारा 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगाने के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई बंद कर कहा था कि चूंकि अधिकारी संबंधित अधिसूचना पेश करने में विफल रहे हैं, इसलिए यह मान लेना चाहिए कि वह मौजूद ही नहीं है। बेंच ने कहा, 'आप वास्तव में दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दे रहे हैं। यह याचिका अधिवक्ता चांद कुरैशी के माध्यम से हाई कोर्ट में दायर की गई थी। इसमें आरोप लगाया गया कि पुस्तक हाई कोर्ट द्वारा पारित आदेश के कारण उपलब्ध है। केंद्र ने 1988 में कानून-व्यवस्था की स्थिति को बनाए रखने के लिए बुकर पुरस्कार विजेता लेखक की पुस्तक 'द सैटेनिक वर्सेज' के आयात पर प्रतिबंध लगा दिया था। दुनिया भर के मुसलमानों ने इस पुस्तक को ईशनिंदा माना था।

डॉ मनमोहन की जयंती: पीएम मोदी ने योगदान को सराहा, खरगे बोले- वे आर्थिक सुधारों के जनक

नई दिल्ली

पूर्व प्रधानमंत्री और अर्थशास्त्री, दिवंगत डॉ मनमोहन सिंह की जयंती पर पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हे श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके योगदान को सराहना की। इधर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकाअर्जुन खरगे ने उन्हे पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि डॉ सिंह आर्थिक सुधारों के जनक हैं और उनके सुधारों से आज भी देश लाभान्वित हो रहा है।

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने भी डॉ सिंह के प्रति अपना सम्मान व्यक्त किया। एक्स पर अपने संदेश में उन्होंने कहा, भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी को उनकी जयंती पर याद कर रहे हैं। देश की सेवा में उनके वर्षों को हमेशा सम्मान के साथ याद किया जाएगा।

इससे पहले कांग्रेस ने भी उनकी जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की जयंती के मौके पर शुक्रवार को देश के विकास में उनके योगदान को याद किया और कहा कि वह आने वाली पीढ़ियों के लिए ईमानदारी, बुद्धिमत्ता और राष्ट्र के प्रति निस्स्वार्थ सेवा के एक चिरस्थायी प्रतीक बने रहेंगे। खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, हम राष्ट्र निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के योगदान को याद करते हैं। वह भारत के आर्थिक परिवर्तन के एक सूत्रधार थे। वह विनम्रता और बुद्धिमत्ता के धनी थे तथा सबके साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करते थे और अपने कार्यों से अपनी बातों को ज्यादा प्रभावशाली बनाते थे।

बता दें कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह लंबे समय तक राज्यसभा सांसद रहने वाले देश के चुनिंदा नेताओं में शुमार थे। वह लगभग 33 साल तक राज्यसभा सांसद रहे। उन्होंने भारतीय अर्थव्यवस्था में नई वित्तीय और प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत की। वर्ष 1991 में वह पहली बार राज्यसभा के सदस्य बने थे। उसी साल वह 1991 से 1996 तक तत्कालीन नरसिम्हा राव सरकार में वित्त मंत्री रहे। सिंह का जन्म 26 सितंबर,1932 को पंजाब के गाह गांव में हुआ था जो अब पाकिस्तान का हिस्सा है। सिंह ने 2004 से 2014 तक प्रधानमंत्री के रूप में सेवाएं दीं। उनका 26 दिसंबर, 2024 को निधन हो गया। डॉ सिंह 1976 से 1980 तक रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे थे। अप्रैल 1980 से सितंबर 1982 तक वह योजना आयोग के सदस्य सचिव रहे। सितंबर 1982 से जनवरी 1985 तक वह एक बार फिर रिजर्व बैंक के गवर्नर रहे। जनवरी 1985 से जुलाई 1987 तक वह योजना आयोग के उपाध्यक्ष के पद पर रहे। इसके बाद वह 1987 से 1990 तक जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव रहे। उन्होंने प्रधानमंत्री के सलाहकार और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के पदों पर भी काम किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। साल 1987 में पद्म विभूषण, साल 1993 में वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी पुरस्कार, 1993 और 1994 में वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी पुरस्कार और 1995 में भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार शामिल है।

ट्रंप पर बरसे जयराम- निशाने पर पीएम मोदी

नई दिल्ली

वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद जयराम रमेश ने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा प्रहार किया है। रमेश ने मई 2025 के मध्य से अब तक ट्रंप की नीतियों और भारत के प्रति उनके रुख पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान हुए नमस्ते ट्रंप और हाउडी मोदी जैसे आयोजनों पर भी तंज कसा और पूछा कि दोस्त दोस्त न रहा?

जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में बिंदुवार ट्रंप के उन फैसलों और बयानों का ज़िक्र किया, जिन्हें उन्होंने भारत के हितों के ख़िलाफ़ बताया। रमेश के मुताबिक़, ट्रंप अब तक चार अलग-अलग देशों में, जिनमें संयुक्त राष्ट्र भी शामिल है, 45 बार यह दावा कर चुके हैं कि भारत और पाकिस्तान के बीच युद्धविराम करवाने का श्रेय उन्हें जाता है। उनके अनुसार इसी कारण भारत का ऑपरेशन सिंदूर अचानक रोक दिया गया। उन्होंने पाकिस्तान के आर्मी चीफ़ फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में अप्रत्याशित लंच पर बुलाया- वही व्यक्ति जिसके भड़काऊ और सांप्रदायिक बयानों के बाद पहलगाम आतंकी हमला हुआ था। ट्रंप ने अमेरिका-पाकिस्तान आर्थिक साझेदारी को और मज़बूत करने की बात की। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, उन्होंने सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते को मंज़ूरी दे दी है। जयराम ने कहा, ट्रम्प ने भारत से अमेरिका को होने वाले निर्यात पर दंडात्मक टैरिफ लगाए और एच वन बी वीज़ा व्यवस्था को अस्त-व्यस्त कर दिया। उन्होंने रूस के साथ भारत के लंबे आर्थिक संबंधों को लेकर भारत को निशाना बनाया और दंडात्मक कार्रवाई की।रमेश ने यह भी उल्लेख किया कि रिपोर्टों के अनुसार, आज व्हाइट हाउस में ट्रंप की मुलाक़ात पाकिस्तान के फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर और प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ से होने वाली है। इसी संदर्भ में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति और उनकी अमेरिका के साथ बढ़ती नज़दीकियों पर तंज कसते हुए पूछा,नमस्ते ट्रंप का क्या हुआ? हाउडी मोदी का क्या हुआ? झप्पी कूटनीति का क्या हुआ? दोस्त दोस्त न रहा। कांग्रेस नेता का यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत-अमेरिका संबंधों में हाल के महीनों में कुछ तनाव देखने को मिला है। ट्रंप के कुछ हालिया निर्णयों और बयानों को भारत में नकारात्मक रूप से देखा जा रहा है, खासकर व्यापार और रक्षा सहयोग के मामलों में। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जयराम रमेश का यह हमला न केवल ट्रंप प्रशासन की नीतियों पर है, बल्कि मोदी सरकार की विदेश नीति पर भी सवाल उठाता है, जिसने अमेरिका के साथ रिश्तों को रणनीतिक साझेदारीके स्तर तक पहुंचाने का दावा किया था।

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल से किया 62 हजार करोड़ से अधिक का अनुबंध, खरीदे जाएंगे 97 तेजस

नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर और मिग-21 की अंतिम विदाई के साथ तेजी से घटती लड़ाकू विमानों की स्क्वाड्रन की संख्या के बीच गुरुवार का दिन भारतीय वायुसेना के लिए एक बड़ी खुशखबरी लेकर आया। रक्षा मंत्रालय ने बल के जंगी बेड़े की क्षमता को धार देने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के रक्षा उपक्रम हिंदुस्तान एयरोनाटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ कुल 97 स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमानों (एलसीए) तेजस मार्क-1ए की खरीद को लेकर कुल 62 हजार 370 करोड़ रुपए से अधिक के एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। जिसमें कोई कर शामिल नहीं है। विमानों की वायुसेना को डिलीवरी डेढ़ से दो साल के भीतर वर्ष 2027-28 से शुरू होगी। जिसे पूरा होने में छह साल का वक्त लगेगा। मंत्रालय ने 25 सितंबर को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है। यहां बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) की बैठक में इस मेगा रक्षा खरीद को हरी झंडी प्रदान किए जाने के लगभग एक महीने के बाद मंत्रालय ने एचएएल के साथ इस समझौते पर आधिकारिक रूप से हस्ताक्षर किए हैं। पूर्व में वर्ष 2021 में रक्षा मंत्रालय ने वायुसेना के लिए 83 तेजस मार्क-1ए विमानों की खरीद के लिए एचएएल के साथ 48 हजार करोड़ रुपए का एक समझौता किया था। इसके बाद किया गया यह दूसरा समझौता है। मंत्रालय ने बताया कि 97 में से 68 लड़ाकू विमान और 29 दो सीटों वाले यानी ट्विन सीटर होंगे। समझौते में विमानों के साथ ही संबंधित उपकरणों की खरीद भी शामिल है। तेजस विमानों में 64 फीसदी से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी। जिसमें जनवरी 2021 में हस्ताक्षरित पिछले एलसीए मार्क1 अनुबंध के अलावा 67 अतिरिक्त आइटम शामिल किए जाएंगे। इनमें लगा हुआ उत्तम एक्टिव इलेक्ट्रानिकली स्कैन्ड एरे रडार (एईएसए), स्वयं रक्षा कवच और कंट्रोल सरफेस एक्ट्यूएटर्स जैसी स्वदेशी रूप से विकसित प्रणालियों का एकीकरण आत्मनिर्भरता पहल को और अधिक मजबूत करेगा।

इस परियोजना को करीब 105 भारतीय कंपनियों के एक मजबूत विक्रेता आधार द्वारा समर्पित किया जा रहा है। जो विस्तृत घटकों के निर्माण में प्रत्यक्ष रूप से संलग्न हैं। उत्पादन से छह साल की अवधि में हर साल लगभग 11 हजार 750 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। जिससे घरेलू एयरोस्पेस इको-सिस्टम को बड़े पैमाने पर बढ़ावा मिलेगा।मंत्रालय के मुताबिक, इस

खरीद को रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया-2020 की खरीद (भारत-आईडीडीएम) श्रेणी के तहत स्वदेशीकरण पर सरकार के जोर के अनुरूप अमलीजामा पहनाया गया है।

एलसीए मार्क-1ए स्वदेश में डिजाइन और निर्मित लड़ाकू विमान का सबसे उन्नत वर्जन है। जो वायुसेना की परिचालन संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए एक शक्तिशाली प्लेटफार्म के रूप में काम करेगा। **मिग-21 की जगह लेगा तेजस**

तेजस मार्क1ए विमान करीब छह दशक से अधिक की राष्ट्रसेवा के बाद सेवानिवृत्त हो रहे मिग-21 लड़ाकू विमानों की जगह लेंगे। तेजस एक सिंगल इंजन वाला लड़ाकू विमान है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

हीरा व्यापारी से 49 करोड़ की ठगी

सिटीलाईट के सोनाणी पिता-पुत्र की तिकड़ी के खिलाफ मामला दर्ज, CID क्राइम ने जांच शुरू की

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आर्थिक अपराध का एक बड़ा मामला सामने आया है। अश्विनीकुमार रोड पर रहने वाले एक अनुभवी हीरा व्यापारी से सिटीलाईट निवासी सोनाणी परिवार (पिता और दो पुत्रों) ने कुल 49.95 करोड़ की ठगी की। यह धोखाधड़ी रफ हीरे के व्यापार और डायमंड उत्पादन तकनीक के नाम पर की गई। मामले में CID क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज हुई है और जांच जारी है।

अश्विनीकुमार रोड की मणिनगर सोसायटी निवासी अंकुशभाई मधुभाई नाकरानी पिछले 42 साल से सूरत में हीरे का व्यापार कर रहे हैं। वे Jusco General Trading LLP और Asian Grow Diamond नाम की कंपनियाँ चलाते हैं। वर्ष 2021 में उनका संपर्क डायम टेक प्रा. लि. और सोनाणी इंडस्ट्रीज प्रा. लि. के डायरेक्टर महेशभाई भगवानभाई सोनाणी और उनके पुत्र जयम व अगतस्य से हुआ। तीनों पार्ले प्वाइंट स्थित तापी दर्शन अपार्टमेंट में रहते हैं। मुलाकात CVD मशीन द्वारा हीरा उत्पादन हेतु "सीड्स" की ज़रूरत को लेकर हुई थी।

बातचीत के दौरान जयम सोनाणी ने अंकुशभाई को बताया कि उनके पास ऐसी तकनीक है, जिससे प्रति सिस्टम प्रति माह 1500 कैरेट रफ हीरे का उत्पादन संभव है। उन्होंने प्रस्ताव दिया कि यदि अंकुशभाई प्रत्येक सिस्टम पर 2.10 करोड़ निवेश करेंगे तो उत्पादित हीरे में से 1250 कैरेट मासिक वे रखेंगे और शेष अंकुशभाई को मिलेगा। इस पर अंकुशभाई ने शुरुआत में 2.34 करोड़ ट्रांसफर कर 5 सिस्टम से काम शुरू किया और बाद में रूश बढ़ाकर 16 सिस्टम कर दिया।

ठगों को मालूम था कि अंकुशभाई की कंपनी भी रफ हीरे का उत्पादन करती है। इसलिए उन्होंने नया जाल बिछाया। जयम सोनाणी ने उन्हें विश्वास दिलाया कि अमेरिका की Signet नामक कंपनी उनके रफ हीरे खरीदना चाहती है और यह सौदा वह संभालेंगे। इस तरह अंकुशभाई की कंपनी ने 23,35,83,561 के हीरों का लेन-देन किया।

इसके अलावा, 16 सिस्टमों के लिए अंकुशभाई ने सोनाणी पिता-पुत्र की कंपनी के बैंक खाते में 26.60 करोड़ ट्रांसफर किए। समझौते के अनुसार 90 दिन में हीरे या भुगतान मिलना था, लेकिन न तो हीरे दिए गए और न ही रकम लौटाई गई। साथ ही, अमेरिकी कंपनी को बेचे गए 23.35 करोड़ के हीरों का भुगतान भी नहीं हुआ। इस तरह कुल 49.95 करोड़ की ठगी की गई।

रकम और हीरे न मिलने पर अंकुशभाई ने बार-बार उगाही की कोशिश की। लेकिन सोनाणी परिवार ने धमकी दी कि एक रुपया भी वापस नहीं करेंगे और जो करना हो कर लो। अंतत: अंकुशभाई ने CID क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने महेशकुमार सोनाणी, उनके बेटे जयम और अगतस्स्या के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इस केस की जांच आर्थिक अपराध शाखा -3 के PI एस.जी. देसाई द्वारा की जा रही है।

महिला प्रोफेसर से 7.5 लाख ठगने वाला सूरत से पकड़ा गया

वीडियो कॉल में खुद को CBI ऑफिसर दया नायक बताकर डिजिटल अरेस्ट किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

क्राइम ब्रांच ने एक बड़े साइबर फ्रॉड का पर्दाफाश किया है। इसमें राजस्थान के अजमेर में एक महिला प्रोफेसर से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 7,50,000 ठग लिए गए थे। इस अपराध में शामिल मुख्य आरोपी हितेश प्रवीणचंद्र धोडियावाला को सूरत के जहांगीरपुरा इलाके से गिरफ्तार किया गया है।

अजमेर साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज FIR के अनुसार, 30-08-2025 को महिला प्रोफेसर को एक अज्ञात नंबर से फोन आया। कॉल करने वाले ने बताया कि उनके नाम पर एक सिम कार्ड जारी हुआ है, जिसका उपयोग यौन उत्पीड़न के मैसेज भेजने में किया गया है। बाद में ऑनलाइन वीडियो कॉल करके उसने खुद को CBI ऑफिसर दया नायक बताया। आरोपी ने धमकी दी कि सुप्रीम कोर्ट में चल रहे केस में वे मुख्य आरोपी हैं और उन्हें डिजिटल अरेस्ट किया जाएगा। डर के कारण महिला प्रोफेसर ने ऑनलाइन 7,50,000 ट्रांसफर कर दिए।

जांच में सामने आया कि इस अपराध में जिस बैंक खाते का उपयोग हुआ वह सूरत निवासी हितेशभाई प्रवीणचंद्र धोडियावाला (उम्र 45) का था। जानकारी मिलते ही सूरत क्राइम ब्रांच की व्हीकल थेफ्ट स्क्वाड ने तकनीकी निगरानी और सूचना के आधार पर जहांगीरपुरा के डॉक्टर पार्क रोड से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी हितेश पहले स्टॉक मार्केट का कारोबार करता था। उसने डी हायपर्स इन्वेस्टमेंट एडवाइजर नाम से दफ्तर खोला था, लेकिन उसमें 1.5 करोड़ से ज्यादा का नुकसान होने और कर्ज में डूब जाने के बाद वह साइबर माफियाओं से जुड़ गया। इंस्टाग्राम पर "रॉकी" नाम के शख्स से उसका संपर्क हुआ और वह डिजिटल अरेस्ट के जरिए पैसों की उगाही करने वाले गिरोह में शामिल हो गया। उसने अहमदाबाद में गिरोह के सदस्यों से मुलाकात कर अपना IndusInd Bank खाता उन्हें दे दिया और कमीशन तय किया। सिर्फ 02-09-2025 को ही उसके बैंक खाते में देशभर से 48,78,000 ट्रांसफर हुए। इसके बदले उसके वराछा बैंक खाते में 62,900 का मुनाफा भी डाला गया। उसके खाते से जुड़े लेन-देन को लेकर देशभर से कुल 7 साइबर फ्रॉड की शिकायतें दर्ज हुई हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल, केरल, महाराष्ट्र और तेलंगाना के केस शामिल हैं।

आरोपी हितेश के खिलाफ पहले भी कतारगाम पुलिस स्टेशन में प्रोहिबिशन एक्ट के तहत मामला दर्ज है। फिलहाल, सूरत क्राइम ब्रांच आरोपी को राजस्थान के अजमेर साइबर क्राइम पुलिस को सौंपने की प्रक्रिया कर रही है।

इटालिया की पदयात्रा की घोषणा के बाद सूरत जिला उद्योग अधिकारी सक्रिय

रत्नकला कर्मचारियों के 50,241 बच्चों की शिक्षा शुल्क सहायता 15 दिन में वितरित करने की घोषणा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात का हीरा उद्योग मंदी का सामना कर रहा है। मंदी के कारण कई रत्नकला कर्मचारियों को रोज़ी-रोटी गंवानी पड़ी। इसी स्थिति में सरकार ने मई माह में बेरोज़गार रत्नकला कर्मचारियों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की थी, जिसमें उनके बच्चों की शिक्षा शुल्क सहायता भी शामिल थी।

सरकारी घोषणा के बाद भी रत्नकला कर्मचारियों के बच्चों को सहायता नहीं मिली थी और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। इस बीच गोपाल इटालिया ने 27 तारीख को सूरत में रत्नकला कर्मचारियों के अधिकारों के लिए पदयात्रा की घोषणा की, जिससे प्रशासन सक्रिय हुआ और रत्नकला कर्मचारियों के बच्चों की शिक्षा शुल्क सहायता तुरंत वितरित करने की घोषणा की गई।

सूरत में रत्नकला कर्मचारियों के कुल 50,241 बच्चों के लिए 65 करोड़ रुपये की सहायता राशि वितरित की जाएगी। सूरत जिले में प्राप्त कुल 74,268 आवेदन में से 47,599 आवेदन मंजूर किए गए हैं, जिसमें 50,241 बच्चों का समावेश है। अलग-अलग कारणों से 26,600 आवेदन अस्वीकृत किए गए।

इस सहायता की घोषणा ऐसे समय हुई है जब आम आदमी पार्टी के विधायक गोपाल इटालिया ने रत्नकला कर्मचारियों के अधिकारों के लिए 'रत्नकला कर्मचारी अधिकार यात्रा' का आयोजन किया। 27 सितंबर, शनिवार को इटालिया श्री उमियाधाम मंदिर से पदयात्रा शुरू करेंगे, जो हीरा उद्योग के मुख्य क्षेत्र मानगढ़ चौक और मिनी बाजार तक जाएगी और दोपहर 12:30 बजे जनसभा को संबोधित करेगी। मंदी और टैरिफ के कारण हीरा उद्योग में पैदा हुई कठिन परिस्थितियों के बीच, इस घोषणा से रत्नकला कर्मचारियों को तत्काल राहत मिली है।

सरकार ने 24 मई 2025 को रत्नकला कर्मचारियों के लिए राहत पैकेज की घोषणा की थी हीरा उद्योग में पिछले 50 वर्षों में यह पिछले 3 सालों की सबसे लंबी मंदी मानी जा रही है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 11 मार्च को ऑल गुजरात डायमंड एसोसिएशन के अधिकारियों के साथ बैठक कर रत्नकला कर्मचारियों के हित में निर्णय लेने की घोषणा की थी। लगभग 74 दिन बाद, 24 मई 2025 को राज्य सरकार ने बेरोज़गार रत्नकला कर्मचारियों के लिए राहत पैकेज जारी किया।

रत्नकला कर्मचारियों के बच्चों की अधिकतम 13,500 रुपये तक की फीस माफ

गृहमंत्री हर्ष संघवी ने पैकेज की घोषणा करते हुए कहा कि रत्नकला कर्मचारियों के बच्चों की एक साल की शिक्षा फीस अधिकतम 13,500 रुपये तक माफ की जाएगी। यह राशि DBT के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाएगी।

भावनगर में 7,000 से अधिक आवेदन पेंडिंग

भावनगर के रत्नकला कर्मचारियों ने जिला उद्योग केंद्र में 12,000 से अधिक आवेदन किए थे। इनमें से जिला उद्योग केंद्र द्वारा 2,500 से अधिक बच्चों की सहायता राशि वितरित कर दी गई है, जबकि 7,000 से अधिक आवेदन पेंडिंग हैं। इसके लिए स्कूलों की वेरिफिकेशन प्रक्रिया की जा रही है। इस प्रक्रिया में समय इसलिए लग रहा है क्योंकि पहले और दूसरे वर्ष की फीस ब्रोनाफाइट में अलग-अलग राशि दिखाई गई है। जैसे-जैसे वेरिफिकेशन पूरी होगी, वैसे-वैसे भुगतान किया जाएगा। यह जानकारी जिला उद्योग केंद्र के अधिकारी भाटिया ने दी।

सूरत के कतारगाम की कुंज गली में तीन पीढ़ियाँ एक साथ करती हैं गरबा

अनोखा आकर्षण, डीजे नहीं बल्कि सुरों की मधुर धुन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में नवरात्रि का माहौल चरम पर है, जहाँ जगह-जगह साउंड सिस्टम, डीजे और स्पीकर की गूंज सुनाई देती है। लेकिन शहर के कतारगाम इलाके की एक गली ऐसी भी है, जहाँ बिना किसी साउंड सिस्टम के नवरात्रि का आयोजन होता है। यहाँ माइक या स्पीकर के बजाय लोग अपने स्वर से गरबा गाते हैं, जिसे बुजुर्गों से लेकर युवाओं और बच्चों तक सभी श्रद्धा भाव से झूमकर खेलते हैं।

बुजुर्ग अपने स्वर से गाते हैं गरबा के गीत

सूरत में नवरात्रि के दौरान बड़े पैमाने पर व्यावसायिक आयोजन के साथ-साथ मोहल्लों और सोसायटियों में भी गरबा होते हैं। ज्यादातर जगहों पर माता अंबा की तस्वीर रखकर स्पीकर और डीजे की धुन पर लोग गरबा खेलते हैं। फिल्मी गानों और तेज म्यूज़िक के बिना आजकल के खिलाड़ियों को मजा नहीं आता।

लेकिन कतारगाम की कुंज गली में माता अंबा के मंदिर के पास होने वाले गरबे की पूरे इलाके में चर्चा रहती है। यहाँ गरबा तो होता है, लेकिन किसी भी म्यूजिक सिस्टम या माइक-स्पीकर का उपयोग नहीं किया जाता। स्थानीय निवासी जिगर पटेल ने बताया -"यहाँ वर्षों से गरबा आयोजित होता आ रहा है और नई पीढ़ी भी इसमें पूरे उत्साह से भाग ले रही है।"

हर साल यहाँ एक अनोखा दृश्य देखने को मिलता है। महिलाएं अपने मधुर स्वर से गरबा गीत गाती हैं। डीजे की धमाकेदार बीट्स की जगह केवल लोगों की आवाज़ की गूंज सुनाई देती है, जिससे पूरा माहौल भक्ति में डूब जाता है और लोग गरबे में मग्न हो जाते हैं।

तीन पीढ़ियाँ एक साथ करती हैं गरबा

आज की 5G इंटरनेट इस्तेमाल करने वाली पीढ़ी भी अपने बाप-दादाओं की इस परंपरागत संस्कृति को जीवित रख रही है। यहाँ बुजुर्ग, युवा और बच्चे - तीनों पीढ़ियाँ मिलकर गरबा खेलती हैं। ऐसा नजारा बहुत कम देखने को मिलता है। गरबा खेलने वाले लोगों का पहनावा भी सादगी और परंपरागत झलक से भरा होता है। यहाँ का गरबा आधुनिकता और परंपरा का सुंदर संगम बनकर सूरत की सांस्कृतिक पहचान को और खास बना रहा है।

ACB के छापे में फंसा TRB जवान

डिंडोली में टेंपो चालकों से मासिक किस्त के 15 हजार लेने आया TRB जवान पकड़ा गया

किस्त मांगने वाला जवान राहुल राजपूत फरार हो गया

टेंपो चालक ने अहमदाबाद ACB में शिकायत की थी।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

300 रुपये रोज़ाना तनख्वाह पाने वाला TRB का जवान, मासिक किस्त की रकम 15 हजार लेने आया तो ACB के छापे में फंस गया। जबकि किस्त मांगने वाला TRB जवान पियूष उर्फ़ राहुल राजपूत भागने में सफल रहा।

TRB जवान राहुल ने खुद को ट्रैफिक पुलिस के रीजन-3 का वहीवटदार बताते हुए टेंपो चालकों से हर महीने 500 रुपये की किस्त वसूलने का सौदा किया था। किस्त देने पर रीजन-3 से गुजरते कपड़े के टेंपो चालकों को परेशान न करने की बात कही गई थी।

टेंपो चालक ने अहमदाबाद ACB में शिकायत दर्ज कराई थी। इसके आधार पर ACB की टीम ने डिंडोली पानी की टंकी के पास साईं पॉइंट पर निगरानी रखी। इस दौरान वहीवटदार TRB जवान पियूष उर्फ़ राहुल राजपूत की ओर से दूसरा TRB जवान धर्मेश सारा भरवाड़ 15 हजार की रिश्वत लेने आया और ACB के छापे में रंगे हाथ पकड़ा गया। ACB टीम की पहचान बताने के बाद TRB जवान ने भागने की भी कोशिश की थी।

सूरत ACB कार्यालय में वहीवटदार TRB जवान पियूष उर्फ़ राहुल राजपूत और धर्मेश सारा भरवाड़ के खिलाफ रिश्वत का मामला दर्ज किया गया है। दोनों पिछले 8 साल से ड्यूटी पर तैनात थे।

दवाखाने का काम बताकर राहुल ACB के हाथ से बच निकला

TRB जवान पियूष उर्फ़ राहुल राजपूत पांडेसरा में प्वाइंट पर ड्यूटी पर था, लेकिन उसे दवाखाने का काम आ जाने के कारण वह ड्यूटी से बाहर चला गया। इस दौरान टेंपो चालक से रिश्वत की रकम लेने की बात करते हुए उसने दूसरे TRB जवान धर्मेश भरवाड़ को भेजने की बात कही।

इस पर टेंपो चालक ने धर्मेश को 15 हजार रुपये दिए और फोन पर राहुल राजपूत से भी बातचीत कराई।

बड़े टेंपो के 1000, छोटे टेंपो के 700 रुपये वसूले जाते थे

ट्रैफिक पुलिस के रीजन-3 का वहीवटदार होने का दावा करते हुए TRB जवान पियूष उर्फ़ राहुल राजपूत कपड़ा टेंपो चालक और उसके ग्रुप के 30 वाहनों को रीजन-3 से गुजरने पर बिना परेशान किए जाने के बदले में मासिक किस्त तय करता था। इसमें बड़े टेंपो के लिए 1000 रुपये और छोटे (थ्री-व्हील) टेंपो के लिए 700 रुपये तय किए गए थे। मासिक किस्त कम करने को लेकर टेंपो चालकों और TRB जवान राहुल के बीच बहस भी हुई थी। आखिरकार प्रति वाहन 500 रुपये पर समझौता हुआ था।